राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, रविवार, 02 नवंबर 2025

वर्ष 14,अंक 199, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

चोरों ने मजदूर के घर को बनाया निशाना नगदी व लाखों के जेवर समेटकर फरार..03

सिद्धार्थनगरः परिवारिक विवाद के बाद पत्नी ने पति को ज्वलनशील पदार्थ डालकर जलाया, हालत गंभीर..04

21 या फिर 26 नवंबर को C M पद की शपथ लेंगे डीके शिवकुमार? सिद्धारमैया ने बताया अपना प्लान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के भीतर नेतृत्व परिवर्तन का मसला काफी जोर पकड़ चुका है. स्थानीय मीडिया में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के नेतृत्व में नई सरकार बनने की तारीख चल रही है. रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस महीने की 21 या फिर 26 तारीख को डीके शिवकुमार राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं. राज्य में मौजूदा सिद्दारमैया सरकार का ढाई साल 20 नवंबर को पूरा हो रहा है. ऐसे में कयासबाजी चल रही है कि कथित सत्ता शेयरिंग के फॉर्मूले के मुताबिक 21 या फिर 26 को डीके शिवकुमार सीएम पद की शपथ ले सकते हैं. इस मसले पर अब राज्य के सीएम सिद्दारमैया का बयान भी आ गया है. डेक्कन हेराल्ड अखबार की एक रिपोर्ट के मुताबिक इससे जुड़े एक सवाल पर शुक्रवार को सिद्दारमैया थोड़ा चिढ़े हुए नजर आए. उन्होंने पत्रकारों के सवालों पर कहा कि ये बात आपको किसने बताई? क्या शिवकुमार ने आपसे यह कहा?

दरअसल, सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार 20 नवंबर को

अपने कार्यकाल का आधा पड़ाव, यानी ढाई साल पूरा कर लेगी. इस बीच, राजनीतिक गलियारों में चर्चा जोरों पर है कि कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार, सिद्धारमैया के साथ कथित पावर-शेयरिंग समझौते के तहत, 20 नवंबर के बाद मुख्यमंत्री पद पर दावा ठोक सकते हैं. विधान सौध में पत्रकारों ने जब सिद्धारमैया से एक स्थानीय मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए पूछा कि शिवकुमार 21 या 26 नवंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे तो वह भड़क गए. उन्होंने तल्खी से कहा, 'यह किसने बताया? क्या शिवकुमार ने आपको यह बताया?' इसके बाद वे नाराज होकर चले गए।

सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच तनाव की अटकलें

इस घटना ने सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच तनाव की अटकलों को और हवा दी. राजनीतिक हलकों में यह चर्चा आम है कि शिवकुमार ने अपनी मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा के लिए एक 'डेडलाइन' तय की है. हालांकि, शिवकुमार ने सार्वजनिक रूप से सिद्धारमैया या उनके समर्थकों के खिलाफ कोई टकराव नहीं दिखाया. जब सिद्धारमैया के वफादार सामाजिक कल्याण मंत्री एचसी महादेवप्पा से शिवकुमार की 'डेडलाइन' के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, मुझे ऐसी बड़ी बातों की जानकारी कैसे होगी? यह केवल मुख्यमंत्री, पार्टी अध्यक्ष (शिवकुमार) और हाईकमान को पता होगा. सिद्धारमैया के खेमे के एक अन्य नेता, आवास मंत्री बीजेड जमीर अहमद खान ने शिवकुमार से 2028 के बाद मुख्यमंत्री पद की आकांक्षा रखने का आग्रह किया. जमीर ने कहा कि सिद्धारमैया 2028 तक मुख्यमंत्री रहेंगे. उन्होंने यह भी खारिज किया कि शिवकुमार मुख्यमंत्री पद न मिलने पर बीजेपी के साथ जा सकते हैं. जमीर ने कहा कि शिवकुमार के खून में कांग्रेस है. उनकी मुख्यमंत्री बनने की इच्छा स्वाभाविक है, जैसे कई अन्य नेताओं की है. अगर सिद्धारमैया के बाद शिवकुमार मुख्यमंत्री बनते हैं तो हमें खुशी होगी. लेकिन 2028 तक यह पद खाली नहीं है।

दलित मुख्यमंत्री की मांग

सिद्धारमैया के स्थान पर दलित मुख्यमंत्री की मांग के बीच महादेवप्पा ने कहा कि कांग्रेस हाईकमान इंतजार और नजर रख रहा है. उन्होंने कहा कि हमारा (दलित मुख्यमंत्री का) आंदोलन जारी रहेगा, लेकिन इसका फैसला हाईकमान को करना है. महादेवप्पा ने जोर देकर कहा कि कोई भी यह नहीं कह रहा कि दलित मुख्यमंत्री नहीं बन सकता. उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस नेतृत्व दलितों के पक्ष में है. केवल दलित और अछूत ही अपनी पीड़ा समझ सकते हैं।

आतंकियों को पालने वाले पाकिस्तान को दो तगड़े झटके, एक तरफ हाफिज सईद तो दूसरी तरफ मुनीर को मिला दर्द

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आतंकवाद को अपनी नीति का हिस्सा बनाने वाले पाकिस्तान को एक ही दिन में दो बड़े झटके लगे हैं. एक ओर पंजाब प्रांत में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े माने जा रहे एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई, वहीं दूसरी ओर बलूचिस्तान में हुए एक भीषण हमले में पाकिस्तानी सेना के नौ जवान मारे गए. दोनों घटनाओं ने पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. पहली घटना की बात करें तो पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के कसूर जिले में शुक्रवार को 28 वर्षीय शेख मुआज मुजाहिद की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुआज़ प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ था और आतंकी हाफिज सईद का करीबी माना जाता था. घटना कोट राधा किशन इलाके में हुई, जो लाहौर से लगभग 60 किलोमीटर दूर है. पंजाब पुलिस का दावा है कि यह हत्या दो गुटों के बीच हुई गोलीबारी में हुई. पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत पर बीस से

अधिक संदिग्धों के खिलाफ मामला दर्ज किया है और जांच शुरू कर दी गई है।

बलूचिस्तान में सेना पर हमला

इसी दिन पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत के कलात जिले में पाकिस्तानी सेना के काफिले पर बलूच लिबरेशन आर्मी (BLA) ने घात लगाकर हमला किया. बलूचिस्तान में हुआ यह हमला पाकिस्तान के लिए पिछले कुछ महीनों में सबसे घातक साबित हुआ है. यह घटना कलात जिले के एक पहाड़ी इलाके में तब हुई जब पाकिस्तानी सेना का काफिला जा रहा था. अचानक बलूच लिबरेशन आर्मी (BLA) के लड़ाकों ने चारों ओर से हमला बोल दिया. आतंकियों ने पहले रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (RPG) दागे और फिर स्नाइपर फायरिंग शुरू कर दी. करीब 50 मिनट चली इस मुठभेड़ में पाक सेना को भारी नुकसान हुआ. दो सैन्य वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गए और 9 सैनिक मौके पर ही मारे गए, जिनमें दो स्पेशल सर्विस ग्रुप (SSG) के कमांडो भी शामिल थे. कई जवान गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।

BLA लगातार कर रहा हमले

स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, BLA ने हमले की पूरी तैयारी पहले से कर रखी थी. आतंकियों ने ऊंचाई वाले स्थानों से हमला किया ताकि सेना जवाबी कार्रवाई न कर सके. BLA बलूचिस्तान के संसाधनों के शोषण और पाकिस्तानी सेना की ज्यादतियों के खिलाफ हमले करता रहता है. BLA पिछले कई वर्षों से बलूचिस्तान के आजादी की मांग कर रहा है और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (CPEC) परियोजना से जुड़े ठिकानों पर बार-बार हमले कर चुका है. यह हमला दिखाता है कि पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियां अब भी इस क्षेत्र में बगावत को दाबाने में नाकाम रही हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

पंजाब में 11 करोड़ की दिवाली बंपर लॉटरी जीतने वाला शख्स लापता, तलाश जारी

बठिंडा- पंजाब सरकार की दिवाली बंपर लॉटरी में 11 करोड़ रुपए का इनाम बठिंडा के एक व्यक्ति के नाम निकला है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि इनाम जीतने वाला व्यक्ति अब तक लापता है। बठिंडा के लॉटरी विक्रेता ने बताया कि यह टिकट उनकी एजेंसी से बेची गई थी। इस टिकट पर 11 करोड़ रुपए का पहला इनाम निकला है। लेकिन टिकट खरीदने वाला व्यक्ति अब तक उनके पास नहीं पहुंचा है। लॉटरी विक्रेता ने कहा कि वे टिकट खरीदने वाले व्यक्ति को ढूंढने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। इस घटना ने बठिंडा और आसपास के इलाकों में लोगों की दिलचस्पी बढ़ा दी है। हर कोई यह जानने को बेताब है कि आखिर 11 करोड़ रुपए का भाग्यशाली विजेता कौन है, और किसकी किस्मत ने एक झटके में करवट बदल ली।

'अभी तक क्यों नहीं दी?, NDA के एक करोड़ नौकरी के वादे पर प्रियंका गांधी का तंज

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने शनिवार को बिहार में एक करोड़ नौकरियां देने के ह्ष्ठ सरकार के वादे पर हमला बोला। पटना हवाई अड्डे के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'अभी तक क्यों नहीं दी? वे अब क्यों बात कर रहे हैं? ' प्रियंका गांधी बछवाड़ा में कांग्रेस उम्मीदवार गरीब दास के लिए प्रचार करने बिहार आई हैं। इससे पहले, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने 1 करोड़ से ज़्यादा सरकारी नौकरियां और रोज़गार के अवसर प्रदान करने, कौशल-आधारित रोज़गार के लिए कौशल जनगणना कराने और हर ज़िले में मेगा स्किल सेंटर स्थापित करने का वादा किया था, जिससे बिहार एक 'वैश्विक कौशल प्रशिक्षण केंद्र' बन जाएगा। सत्तारूढ़ गठबंधन ने 'मुख्यमंत्री महिला रोज़गार योजना' के तहत महिलाओं की समृद्धि और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए 2 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता का भी वादा किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए एनडीए के 'संकल्प पत्र' की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन के 'आत्मनिर्भर और विकसित बिहार' के विज़न को दर्शाता है।

UNESCO की सूची में शामिल हुआ लखनऊ! 'पाक कला' विरासत के लिए सम्मानित, वैश्विक मंच तक पहुंची अवधी व्यंजनों की महक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ – कई दशकों तक अपने लजीज जायके और मेहमानवाजी से घरेलू तथा विदेशी मेहमानों के दिलों पर छाप छोड़ने वाले नवाबों के शहर लखनऊ को यूनेस्को के ''रचनात्मक शहरों'' की सूची में शामिल किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की महानिदेशक ऑड्रे अजोले 31 अक्टूबर को लखनऊ सहित 58 नए शहरों को 'यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क' (यूसीसीएन) में शामिल करने की घोषणा की। यूसीसीएन में अब 100 से अधिक देशों के 408 शहर शामिल हैं। अजोले ने कहा कि उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ को ''पाक कला'' श्रेणी में मान्यता दी गई है।

भारत में संयुक्त राष्ट्र की इकाई ने एक्स पर किया पोस्ट

लखनऊ को मिला यह सम्मान उसकी पाककला विरासत की वैश्विक स्वीकृति को चिह्नित करता है। यह सम्मान उस शहर को मिलता है जो अपनी खानपान परंपरा, सांस्कृतिक विविधता और नवाचार से विश्व को प्रेरित करता है। यह घोषणा उज्बेकिस्तान के समरकंद में आयोजित यूनेस्को के 43वें महासम्मेलन में 'विश्व नगर दिवस' के अवसर पर की गई। भारत में संयुक्त राष्ट्र की इकाई ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मुंह में पानी लाने वाले गलावटी कबाब से लेकर अवधी बिरयानी, स्वादिष्ट चाट और

गोलगप्पे, मक्खन मलाई जैसी मिठाइयां तथा और भी बहुत कुछ... उत्तर प्रदेश का लखनऊ लजीज खाने के लिए एक जन्नत है, जो सदियों पुरानी परंपराओं से भरपूर है।''

'भारत के लिए गर्व का क्षण'

यूनेस्को में भारत के स्थायी प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक 'पोस्ट' में कहा, ''भारत के लिए गर्व का क्षण। लखनऊ की समृद्ध पाककला विरासत को अब वैश्विक मंच पर पहचान मिली है!'' प्रतिनिधिमंडल ने कहा, ''विश्व नगर दिवस 2025 के अवसर पर लखनऊ को 'यूनेस्को क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' नामित किया गया है। लखनऊ के साथ 58 नए शहरों को 'यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क' (यूसीसीएन) में स्थान मिला है। यूसीसीएन में अब 100 से अधिक देशों के 408 शहर शामिल हैं।''

'उत्तर प्रदेश आज देश का गौरव बन चुका है'

लखनऊ को मिले इस सम्मान पर प्रतिक्रिया देते हुए राज्य के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज देश का गौरव बन चुका है। लखनऊ की यह उपलब्धि उसके समृद्ध खानपान और संस्कृति की वैश्विक स्वीकृति है।'' उन्होंने कहा कि लखनऊ के जायके को मिली यह पहचान पर्यटन क्षेत्र की बढ़ती शक्ति और 'विकसित उत्तर प्रदेश' के दृष्टिकोण को साकार करने का प्रमाण है। उन्होंने बताया, ''उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने लखनऊ के लिए नामांकन 31 जनवरी 2025 को केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय को भेजा था। विस्तृत समीक्षा के बाद भारत सरकार ने तीन मार्च 2025 को यूनेस्को को अंतिम डोजियर प्रस्तुत किया। 31 अक्टूबर को आयोजित सम्मेलन में लखनऊ को औपचारिक रूप से 'क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' नेटवर्क में शामिल किया गया।''

'यह सम्मान लखनऊ की समृद्ध पाक परंपराओं और अवधी विरासत का प्रतीक है'

उत्तर प्रदेश सरकार ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''यह सम्मान शहर की समृद्ध पाक परंपराओं, अवधी विरासत और स्थायी एवं अभिनव पाककला को बढ़ावा देने में इसकी बढ़ती भूमिका का प्रतीक है। उत्तर प्रदेश के लिए यह गौरव का क्षण है, जहां हर स्वाद सदियों पुरानी संस्कृति और रचनात्मकता को दर्शाता है।'' पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने एक बयान में कहा कि लखनऊ का चयन इसकी व्यंजन परंपरा और पाक कला धरोहर तथा आतिथ्य परंपराओं को एक नयी अंतरराष्ट्रीय पहचान देगा।

RLD नेताओं-शिक्षकों में धक्का-मुक्की, गाड़ी खड़ी करने को लेकर हुआ विवाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुजफ्फरनगर- बीते शुक्रवार को रालोद नेता और शिक्षकों के बीच कहासुनी हो गई। दोनों पक्षों में शुरू हुई कहासुनी गाली गलौज तक पहुंच गई। आरोप है कि शिक्षकों के साथ धक्का मुक्की और हाथापाई भी की गई। बता दें कि जाट इंटर कॉलेज के ठीक सामने राष्ट्रीय लोकदल का कार्यालय है। शुक्रवार को सरदार पटेल की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन था। इसमें मुख्य अतिथि के तौर पर यूपी सरकार में मंत्री कपिल देव अग्रवाल को पहुंचना था लेकिन लोकदल कार्यालय पर भी मीटिंग होने के चलते सड़क पर गाड़ी पार्किंग की कहीं जगह खाली नहीं था,,,बताया जा रहा है कि जिसको लेकर लोकदल के प्रदेश

सचिव अशोक बालियान के ड्राइवर ने कॉलेज के गेट के सामने गाड़ी खड़ी कर दी थी,,,जिसको लेकर दोनों पक्षों में शुरू हुई कहासुनी गाली गलौज तक पहुंच गई। कॉलेज के प्रिंसिपल योगेंद्र मलिक का आरोप है कि जब ड्राइवर को गेट के सामने से गाड़ी हटाने के लिए कहा तो उसने पहले खुद बदतमीजी की और फिर जब उनके द्वारा लोकदल कार्यालय पर जाकर कहा गया कि मंत्री जी कार्यक्रम में आने वाले हैं गाड़ी को हटवा लो तो वहां से भी कोई रिस्पांस नहीं मिला। कार्यक्रम खत्म होने के बाद जब मंत्री जी वहां से चले गए तो प्रदेश सचिव अशोक बालियान से ड्राइवर की शिकायत की गई,,,आरोप है कि उन्होंने भी मंत्री को गाली देते हुए अपशब्द कहे,,,इसके बाद लोकदल कार्यालय से लोक दल नेताओं ने इकट्ठा होकर शिक्षकों के साथ जमकर धक्का मुक्की और हाथापाई की। वहीं प्रदेश सचिव अशोक बालियान का कहना है कि गाड़ी कुछ देर के लिए गेट के सामने खड़ी थी और ड्राइवर चाय पीने गया था. जैसे ही उन्हें पता चला, गाड़ी हटा दी गई,,,उन्होंने कहा कि गाली देने की बात गलत है। फिलहाल घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और यह मामला जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है।

बयान पर बवाल मचा तो US उपराष्ट्रपति वेंस बोले- पत्नी उषा हिंदू ही रहेंगी... धर्म परिवर्तन कभी नहीं, उन्होंने ही मुझे मेरे धर्म से दोबारा जोड़ा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस (JD Vance) ने अपने उस बयान का बचाव किया है जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि उनकी पत्नी उषा वेंस, जो हिंदू हैं, एक दिन ईसाई धर्म अपना सकती हैं। वेंस ने कहा कि दरअसल, उनकी पत्नी उषा हिंदू ही रहेंगी। वही थीं जिन्होंने कई साल पहले उन्हें अपने धर्म के प्रति दोबारा जुड़ने के लिए प्रेरित किया था। वेंस ने 'X' (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, 'मेरी पत्नी ने मुझे मेरे धर्म से फिर जुड़ने के लिए प्रेरित किया था। वह खुद ईसाई नहीं हैं और धर्म परिवर्तन की कोई योजना भी नहीं है। लेकिन जैसे कई अंतरधार्मिक विवाहों में होता है, मैं उम्मीद करता हूं कि एक दिन वह भी मेरी तरह चीज़ों को देख सकें। 'बुधवार को मिसिसिपी में आयोजित टर्निंग पॉइंट यूएसए (TPUSA) की रैली में एक सवाल के जवाब में वेंस ने कहा था कि वह ईसाई 'गॉस्पेल' पर विश्वास करते हैं और उम्मीद करते हैं कि उनकी पत्नी भी एक दिन इसे वैसे ही समझेंगी। उन्होंने बताया कि उषा वेंस का पालन-पोषण एक हिंदू परिवार में हुआ, लेकिन उनका परिवार

बहुत धार्मिक नहीं था। वेंस ने कहा कि उनकी पत्नी हर रविवार परिवार के साथ चर्च जाती हैं और उनके बच्चे ईसाई परंपरा में पले-बढ़े हैं। उन्होंने यह भी कहा, 'उषा उन पादरियों के ज्यादा करीब हैं जिन्होंने मेरा बपतिस्मा किया, शायद मुझसे भी ज्यादा। '

हालांकि, जून में एक साक्षात्कार में उषा वेंस ने स्पष्ट कहा था, 'मैं कैथोलिक नहीं हूं और धर्म परिवर्तन करने का कोई इरादा नहीं रखती।' उन्होंने बताया कि उनके बच्चों को धर्म चुनने की आज़ादी दी गई है 'हमने बच्चों को कैथोलिक स्कूल में भेजा है, लेकिन यह उनका निर्णय है कि वे बपतिस्मा लेना चाहते हैं या नहीं। हमारे बड़े बच्चे ने लिया है, अब देखेंगे कि दूसरा क्या करता है।' उषा ने यह भी बताया कि बच्चों को हिंदू परंपराओं से जोड़े रखने के लिए उन्हें धार्मिक किताबें दी जाती हैं, भारत यात्रा कराई जाती है और उन्हें कई हिंदू मित्रों और रिश्तेदारों से जोड़ा गया है। इस विवाद पर हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (HAF) ने भी प्रतिक्रिया दी। संगठन ने 'X' पर लिखा, 'अगर आपकी पत्नी ने आपको अपने धर्म में दोबारा जुड़ने के लिए प्रेरित किया, तो क्या आप भी हिंदू धर्म को समझने की कोशिश नहीं कर सकते? हिंदू धर्म किसी को अपने जैसा देखने या धर्म बदलवाने की आवश्यकता नहीं रखता। यह समावेशी और बहुलतावादी है।' HAF ने आगे कहा कि उपराष्ट्रपति के रूप में वेंस को हिंदू धर्म के सकारात्मक प्रभाव और हिंदुओं के अपने धर्म का पालन करने के अधिकार को भी स्वीकार करना चाहिए।

उपराष्ट्रपति के साथ ष्टरूयोगी ने किया काशी नाटकोट्टई धर्मशाला का उद्घाटन, बोले - संस्कृत और तमिल भारत की आत्मा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्ण के साथ काशी नाटकोट्टई नगर क्षेत्रम में निर्मित नवनिर्मित धर्मशाला का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 'काशी और तमिलनाडु का सांस्कृतिक संबंध भारत की आत्मा को जोड़ता है – संस्कृत और तमिल दोनों भाषाएं इस आत्मा के दो अभिन्न स्वरूप हैं।' कार्यक्रम का शुभारंभ सीएम योगी ने 'वनक्कम काशी' कहकर किया, जिससे सभागार में तमिल अतिथियों ने तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया।

काशी और तमिलनाडु के बीच हजारों वर्षों का संबंध

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुखद क्षण है कि उपराष्ट्रपति बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में पधारे हैं। श्रीकाशी नाटकोट्टई सोसाइटी द्वारा निर्मित धर्मशाला न केवल श्रद्धालुओं को ठहरने की सुविधा देगी बल्कि उत्तर और दक्षिण भारत के बीच सांस्कृतिक एकता का सेतु भी बनेगी। योगी ने कहा, 'भगवान श्रीराम द्वारा रामेश्वरम में स्थापित ज्योतिर्लिंग और काशी के भगवान विश्वेश्वर, दोनों ही एक-दूसरे के रूप में पूजित हैं। यह संबंध भारत की सांस्कृतिक एकात्मता का सर्वोत्तम उदाहरण है।

आदि शंकराचार्य ने ज्ञान से जोड़ा उत्तर और दक्षिण

सीएम ने कहा कि आदि शंकराचार्य ने

काशी में आकर आत्मज्ञान प्राप्त किया और पूरे भारत को अद्वैत दर्शन का संदेश दिया। उन्होंने कहा , 'काशी ने उन्हें आत्मज्ञान दिया और उन्होंने भारत को आत्मबोध दिया – यही हमारी परंपरा की शक्ति है।

तमिलनाडु की तेनकाशी — दक्षिण की काशी

योगी आदित्यनाथ ने बताया कि तमिलनाडु के तेनकाशी में भगवान विश्वनाथ का मंदिर स्थित है, जिसका अर्थ ही 'दक्षिण की काशी' है। पांड्य राजाओं ने काशी से ज्योतिर्लिंग लाकर तेनकाशी में इसकी स्थापना की थी। उन्होंने कहा, 'भारत में संस्कृत और तमिल साहित्य दोनों सबसे प्राचीन हैं। दोनों में ही भारतीय संस्कृति के सभी तत्व समान रूप से संरक्षित हैं। यही हमारी भाषाई और सांस्कृतिक एकता का आधार है। '

अयोध्या में भी दक्षिण भारत के संतों को दिया गया सम्मान

सीएम योगी ने बताया कि हाल ही में अयोध्या धाम में तमिल संतों की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। चारों मुख्य द्वारों का नामकरण जगद्गुरु शंकराचार्य, रामानुजाचार्य, रामानंदाचार्य और माधवाचार्य के नाम पर किया गया है। 'यह उत्तर और दक्षिण की सांस्कृतिक साझेदारी का प्रतीक है। '

काशी — भक्ति और विकास का संगम

योगी ने कहा कि आज काशी न केवल भक्ति की नगरी है बल्कि विकास का नया प्रतीक भी बन रही है। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम इसका उदाहरण है, जिसने परंपरा और आधुनिकता दोनों को जोड़ा है। उन्होंने बताया कि 51 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाएं काशी में स्वीकृत हुई हैं, जिनमें से 34 हजार करोड़ की योजनाएं पूरी हो चुकी हैं और 16 हजार करोड़ से अधिक की योजनाएं निर्माणाधीन हैं।

देव दीपावली पर देखें काशी की भव्यता

सीएम ने बताया कि कल से गंगा महोत्सव शुरू हो रहा है और 5 नवंबर को देव दीपावली का आयोजन होगा। उन्होंने तमिलनाडु और अन्य देशों से आए अतिथियों से आग्रह किया कि वे इस दौरान काशी की भव्यता और दिव्यता का अनुभव करें।

बिहार विधानसभा चुनाव में राजनौतिक दलों ने झोंक दी पूरी ताकत

बिहार विधानसभा चुनाव में लम्बी खींचतान,जोड़तोड़ और पाला बदल के बाद अब पाले खींच चुके है।कौन किस तरह है और कौन किस तरफ जा चुका है स्थिति साफ हो चुकी है।दो चरणों मे होने वाले चुनाव 6 नवम्बर और 11 नवम्बर को होंगे।इस लिहाज से हवा सबसे गर्म है।पिछले दो दशक से यहां हवा एनडीए गठबंधन के पक्ष में बही है।जिसके सुकानी नीतीश कुमार मुख्यमंत्री है।एनडीए को सबसे बडी राजनैतिक ताकत बनाया है।मुस्लिम ,दलित,अतिपिछडा और यादव के प्रभुत्व से सरकार बनती आ रही है।जिसमे आदिवासी मुख्य भूमिका में रहते है।अलीनगर की प्रत्याशी मैथेली ठाकुर के लिए प्रचार करने आई केतकी सिंह ने पगड़ी पर सियासत करती नजर आई।बात मिथिला की नही है।लेकिन अलीनगर की उम्मीदवार मैथेली भोजपुरी गायक कलाकार हैं।दरअसल, सियासत कलाकार होने के कारण नही हो रही है।परन्तु मिथिला में बाहरी प्रत्याशी की वजह से लोग नाराजगी व्यक्त कर रहे है।अलीनगर विधानसभा में पहले फेज यानी 6 नवम्बर को मतदान होगा ।अलीनगर ने ब्राह्मण और मुस्लिम मतदाता 48 प्रतिशत है।मुस्लिम आरजेडी की तरफ विशेष झुकाव है।लेकिन इस बार तेजस्वी ने वक्फ बिल को कूड़ेदान में डालने की जूठी वाहवाही लूटने की नाकाम कोशिश के कारण मुस्लिम वोटर की दिशा बदलती दिख रही है। अलीनगर और दरभंगा में वोटर एनडीए की कल्याणकारी योजनाओं से खुश है।और अलीनगर से प्रत्याशी मैथिली ठाकुर के लिए कोई मुश्किल दिखाई नही दे रही है।मैथिली ठाकुर का बाहरी मुद्दा कही न कही वोटो की हिस्सेदारी निश्चित कर सकता है।अलीनगर में 2,88,374 वोटर है।जिसमे 1,38,929 महिला मतदाता है।और1,49,443 पुरूष वोटर है।इसमे प्रखण्ड अलीनगर ,तारडीह और घनश्यामपुर आते है।2020 में वीआईपी के उम्मीदवार मिश्रीलाल यादव जीते थे।पाग पर बेमतलब विवाद खड़ा किया जा रहा है।क्योंकि मैथिली ठाकुर ने पगड़ी के बारे मे कुछ कहा ही नही है ।पगड़ी समाज के लिए शान है लेकिन विधानसभा चुनाव के लिहाज से शब्द पर सियासत होना स्वाभाविक है।इस बार निर्णायक जीत होने के कयास लगाए जा रहे है।नीतीश कुमार की आज भी साख बरकरार है।गांव में नीतिश कुमार को फिर से सरकार बनाने के लिए मतदाता तैयार है।लेकिन किसी बाहरी के लिए मन मे मलाल है।यह गीले शिकवे सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के नीचे दबते नजर आ रहे है।सभी को सुशासन की आवश्यकता है।ब्राह्मण- मुस्लिम गठजोड़ के लिए प्रयास होता दिखाई दे रहा है।अलीनगर में ब्राह्मण 23 प्रतिशत,मुस्लिम 25 प्रतिशत,यादव 10 प्रतिशत,एससी एसटी 13 प्रतिशत ,कोडरी कुर्मी 9 प्रतिशत और ईबीसी 20 प्रतिशत मतदाता है।मुस्लिम वोटर 25 प्रतिशत की दो भागों में विभाजित हो जाएगी ।उधर महागठबंधन में मुस्लिम वोटर की हिस्सेदारी पूरी है।लिहाजा,75 प्रतिशत दूसरी जाति के वोटरों में अलीनगर की प्रत्याशी मैथेली ठाकुर के लिए कोई मुश्किल बात नही है।वैसे भी मैथेली सेलिब्रिटी है।नीतीश और मोदी के विकास योजनाओ से बिना सोचे समझे एनडीए को ही वोट देंगे।अलीनगर में उच्च पदों के लिए ब्राह्मणों और यादवों का ही वर्चस्व है।महागठबंधन की तरफ से बिहार विधानसभा के लिए घोषणा पत्र जारी किया।तेजस्वी ने घोषणा6 पत्र जारी करते हुए कहा कि आरजेडी और कांग्रेस महागठबंधन की सरकार बनती है तो हर घर मे एक नौकरी का वादा किया है।तेजस्वी ने बीस महीनों में 2.8करोड़ लोगों को नौकरी देने का वादा किया है। बिहार विधानसभा चुनाव में युवा वोटर्स निर्णायक बनते दिखाई दे रहे है। तेजस्वी ने हिसाब लगाए,बिना 1.63करोड़ युवाओ के लिए कुछ नया करने की ठान रखी है।इनके वादे पतझड़ की तरह है।तेजस्वी ने युवाओ पर फोकस किया है।एनडीए की कल्याणकारी योजनाओं पर तेजस्वी की पूरी नजर रही है।नीतीश कुमार की योजनाओं को ध्यान में रखकर माई बहन योजना के अंतर्गत 25 सौ रुपये हर महीने और 30 हजार सालाना देने की घोषणा की है।महागठबंधन की तरफ संविदा कर्मचारियों को साधने की कोशिश की गई है।शिक्षकों को अपने घोषणापत्र में जगह दी है।बिहार में सबसे ताकतवर अतिपिछड़ा के हितैषी बताने की कोशिश की है।वादे पूर्ण करने का तेजस्वी के पास कोई रोड मैप नही है।क्योंकि आरक्षण से छेड़छाड़ नही कर सकते है।तेजस्वी के घोषणा पत्र में कोई नई बात नही है।हर चुनाव में घुमा फिराकर घोषणा की जाती है।एक दूसरे की काट कर घोषणाओं को अमलीजामा पहनाया गया है।महागठबंधन की सरकार बनने पर वक्फ संशोधन कूड़ेदान में फेंकने की बात की गई है।जबकि वक्फ बिल केंद्र सरकार के अधीन है।वक्फ को वक्फ की संविधान सूची में शामिल किया गया है।राज्य और केंद्र कानून बना सकती है।लेकिन कोई विवाद हुआ तो केंद्र का कानून ही माना जायगा।वक्फ संशोधन बिल को लेकर केंद्र का ही सर्वोपरि कानून माना जायेगा।क्योंकि केंद्र में अलग दल की सरकार है और महागठबंधन के लिए बात हरगिज नही मानी जा सकती है।मुस्लिम वोटरों को साधने के लिए महागठबंधन की यह घोषणा हथेली में चांद बताने की कोशिश की जा रही है।लेकिन मुस्लिम समाज तेजस्वी के झांसे में हरगिज आने वाले नही है।वक्फ संशोधन बिल का मुद्दा उठाकर तेजस्वी राजनीतिक फायदा उठाना चाहते है।बिहार में मुस्लिम वोटरों की संख्या 18 प्रतिशत है।राज्य की 40 सीटे है,जहाँ से ज्यादा मुस्लिम वोटर है।इसके बाद 20 सीटे ऐसी है,जहाँ20 से 25 प्रतिशत मुस्लिम वोटर है।बिहार की 243 विधानसभा सीटों पर 60 से 70 सीटों पर मुस्लिम अहम फैक्टर है।और किसी एक पार्टी के पक्ष में ध्रुवीकरण हुआ तो महागठबंधन को फायदा हो सकता है।तेजस्वी के गुमराह करने वाले से बिहार की जनता और मुस्लिम समाज वाकिफ है।लालू की कथनी करनी समान नही थी।तेजस्वी ने पासा फेंका है।वक्फ बिल के लिए बिहार में बहुत हल्ला हुआ था।बहरहाल,सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी 32 सीटों पर चुनाव लड़ रही है।सीमांचल में 16 सीटे है जहां पर मुस्लिम वोटर अहम है।ओवैसी मुस्लिम हकों की बात कर रहे है।उनकी आवाज नीचे जमीन तक पहुंच रही है ।आम आदमी पार्टी भी सेंध मारी करने में कुछ हद तक सफल होगी।बिहार में रस्साकशी वाले चुनाव में किसका घोड़ा जीतेगा,यह तो चुनाव नतीजों के बाद ही पता चलेगा।लेकिन आज के परिपेक्ष्य में सबसे अहम बात जानमाल की हिफाजत और कानून व्यवस्था की है।क्योंकि विकास से पहले वोटर मजबूत सरकार देखते है।जिस वजह से परिवार की सुरक्षा पहली प्राथमिकता बने।जंगलराज को जनता स्वीकार नही करेगी।क्योंकि हथेली में चांद बताने वाले अपना घर ही भरते है।इसलिए सोच समझकर नैतिकता और ईमानदारी को सबसे पहले प्राथमिकता दे।और ईमानदार प्रत्याशी और दल का चयन करें,जिसे परिवार की सुरक्षा से सरकार हर कदम पर खड़ी रहकर हिफाजत कर सके।यही मतदाता करने का सही तरीका है।

कांतिलाल मांडोत

1 नवंबर : भारत में कई राज्यों का स्थापना दिवस आज

भारत की पहचान उसकी विशालता में नहीं, बल्कि उसकी विविधता में निहित एकता में है। भाषाओं, संस्कृतियों, परंपराओं और भौगोलिक विशेषताओं से परिपूर्ण यह देश तभी सशक्त बन सका, जब इन विविधताओं को संवैधानिक और प्रशासनिक स्वरूप दिया गया। इस दिशा में सबसे बड़ा कदम था 1 नवम्बर 1956 का राज्य पुनर्गठन, जिसने भारतीय संघीय ढांचे को नई परिभाषा दी। यह दिन देश के इतिहास में एक ऐसे मोड़ के रूप में दर्ज है, जब भारत ने भाषा, संस्कृति और प्रशासन के बीच संतुलन स्थापित करते हुए अपने राज्यों का पुनर्निर्धारण किया। यही कारण है कि आज यह तिथि अनेक राज्यों में राज्य स्थापना दिवस या राज्योत्सव के रूप में मनाई जाती है। यह न केवल भारत की प्रशासनिक दक्षता का प्रतीक है, बल्कि इसकी आत्मा में बसे विविधता में एकता के सिद्धांत का उत्सव भी है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि इतने विशाल देश को, जिसमें सैकड़ों बोलियाँ और संस्कृतियाँ थीं, एक संगठित प्रशासनिक ढांचे में कैसे पिरोया जाए। संविधान लागू होने के बाद भी राज्यों की सीमाएँ ब्रिटिश शासनकाल के पुराने प्रांतों और रियासतों पर आधारित थीं, जिनमें भाषाई और सांस्कृतिक असमानताएँ स्पष्ट रूप से विद्यमान थीं। इससे कई क्षेत्रों में असंतोष पनप रहा था। जनता चाहती थी कि प्रशासनिक सीमाएँ भाषा और संस्कृति के अनुरूप तय की जाएँ ताकि शासन लोगों की समझ और भावनाओं से जुड़ हो सके। इस भावना ने सबसे पहले आंध्र प्रदेश के रूप में आकार लिया। 1953 में मद्रास प्रेसीडेंसी के तेलुगू भाषी क्षेत्रों को अलग कर आंध्र प्रदेश का गठन किया गया। यह घटना पूरे देश में भाषाई आधार पर राज्यों के निर्माण की माँग का प्रतीक बन गई। इस बढ़ती जन-आकांक्षा के मद्देनज़र भारत सरकार ने राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन किया। आयोग ने देश के प्रशासनिक ढांचे, भाषाई वितरण और सांस्कृतिक संबंधों का गहन अध्ययन कर अपनी सिफारिशें प्रस्तुत कीं। इन्हीं सिफारिशों के आधार पर 1956 में राज्य पुनर्गठन अधिनियम लागू हुआ, जिसने 1 नवम्बर 1956 से भारत के नक्शे को नया रूप दिया। इस पुनर्गठन ने राज्यों को भाषाई और सांस्कृतिक आधार पर व्यवस्थित किया और भारतीय संघीय ढांचे को एक सुसंगत स्वरूप प्रदान किया। इस ऐतिहासिक निर्णय से कई राज्यों की नई पहचान बनी। कर्नाटक, जो तब 'मैसूर' कहलाता था, को कन्नड़ भाषी क्षेत्रों के एकीकरण से निर्मित किया गया। केरल का गठन त्रावणकोर-कोचीन और मालाबार के मिलन से हुआ, जो मलयालम भाषा और संस्कृति का केंद्र बना। मध्य प्रदेश को मध्य भारत, भोपाल, विंध्य प्रदेश और बरार को मिलाकर तैयार किया गया, जो भौगोलिक रूप से देश का हृदयस्थल है। आंध्र प्रदेश को तेलुगू भाषी क्षेत्रों के एकीकरण से सशक्त रूप मिला। आगे चलकर 1 नवम्बर 1966 को पंजाब और हरियाणा का पुनर्गठन हुआ, जिससे हरियाणा का गठन हुआ और चंडीगढ़ एक केंद्रशासित प्रदेश के रूप में उभरा। बाद के वर्षों में छत्तीसगढ़, उत्तराखंड और झारखंड जैसे राज्यों का गठन भी इसी प्रक्रिया की निरंतरता का परिणाम था, जो दर्शाता है कि भारत का संविधान समय के साथ स्वयं को परिवर्तित करने और जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप ढलने की क्षमता रखता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 2 और 3 संसद को राज्यों के गठन और सीमाओं के पुनर्निर्धारण का अधिकार देते हैं। यह केवल प्रशासनिक प्रावधान नहीं, बल्कि भारतीय संघीयता की जीवंतता का प्रमाण है। इसने स्पष्ट किया कि भारत की एकता भाषाओं और संस्कृतियों को दबाने से नहीं, बल्कि उन्हें सम्मान देने से मज़बूत होगी। राज्य पुनर्गठन का यह कदम इस विचार का मूर्त रूप था कि देश की शक्ति उसकी विविधता में निहित है। 1 नवम्बर का यह दिन इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि इसने भारत को यह समझने का अवसर दिया कि क्षेत्रीय पहचान और राष्ट्रीय एकता परस्पर विरोधी नहीं हैं। जब किसी व्यक्ति को अपनी भाषा, संस्कृति और परंपरा पर गर्व करने का अवसर मिलता है, तभी वह राष्ट्र की समग्र प्रगति में योगदान देने के लिए प्रेरित होता है।

यही कारण है कि राज्य स्थापना दिवस आज केवल सरकारी आयोजन नहीं, बल्कि जनभावना का पर्व बन चुका है। कर्नाटक में लाल-पीले ध्वजों से सजे शहरों में राज्योत्सव पुरस्कार÷ के माध्यम से समाजसेवा, कला और साहित्य के क्षेत्र में योगदान देने वाले नागरिकों का सम्मान किया जाता है। केरल में केरल पिरवी का उत्सव अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने और मलयालम भाषा की समृद्ध परंपरा को याद करने का अवसर बनता है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब और हरियाणा में यह दिन परेड, लोकनृत्य, सांस्कृतिक झाँकियों और नागरिक सम्मानों के रूप में मनाया जाता है। यह सब केवल उत्सव नहीं, बल्कि भारत की विविधता का जीवंत प्रदर्शन है। आज का भारत विकास, नवाचार और सामाजिक समरसता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में राज्य स्थापना दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि

प्रशासनिक संरचना का उद्देश्य केवल शासन नहीं, बल्कि नागरिकों को सशक्त बनाना है। प्रत्येक राज्य की पहचान उसके जनजीवन, उसकी संस्कृति और उसकी मानवीय संवेदनाओं से बनती है। जब कर्नाटक का एक किसान अपनी मिट्टी पर गर्व करता है, जब केरल का कलाकार अपनी परंपरा का उत्सव मनाता है, जब छत्तीसगढ़ का मजदूर अपने राज्य दिवस पर आत्मसम्मान महसूस करता है – तब वास्तव में भारत की संघीय एकता साकार होती है। 1 नवम्बर का दिन केवल एक तिथि नहीं, बल्कि भारत की आत्मा का प्रतीक है। यह उस दृष्टि का स्मरण कराता है जिसने भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को एक साझा धागे में बाँधकर एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को साकार किया। यह दिन हमें सिखाता है कि हमारी भाषाएँ, संस्कृतियाँ और परंपराएँ भले अलग हों, पर हमारी आत्मा एक है – भारतीयता की। राज्य स्थापना दिवस भारत की उस जीवंत भावना का उत्सव है जो कहती है कि विविधता में ही हमारी असली शक्ति छिपी है, और यही शक्ति हमें एक राष्ट्र के रूप में अविभाज्य बनाती है।

महेन्द्र तिवारी

दिल्ली के आसमान में कृत्रिम बारिश का शिगूफा नाकाम क्यों हुआ?

दीपावली के बाद से दिल्ली में एयर क्वालिटी 'बहुत खराब' बनी हुई है ऐसे में सरकार ने परमाणु बारिश (कृत्रिम बारिश) का समाधान करने के लिए परमाणु ऊर्जा निगम की मदद ली थी, लेकिन इसका मकसद बारिश को खत्म करना था। सरकार की ओर से इस प्रोजेक्ट में 1 करोड़ से ज्यादा की लागत आई है, जबकि कानपुर के निदेशक मणींद्र अग्रवाल ने बताया कि अभी हाल ही में दिल्ली में हुई क्लाउड सीडिंग प्रक्रिया पर ही करीब 60 लाख का खर्च आया। आपको बता दें दिल्ली सरकार ने मंगलवार को बढ़ते प्रदूषण स्तर से निपटने के लिए कृत्रिम वर्षा (आर्टिफिशियल रेन) कराने की दिशा में दो क्लाउड सीडिंग के परीक्षण किए. इसके तहत नमक आधारित और सिल्वर आयोडाइड फ्लेयर से लैस एक विमान का उपयोग किया गया. हालांकि, मंगलवार शाम तक कानपुर और मेरठ से उड़ान भरने वाले दोनों विमानों के प्रयास असफल रहे और कहीं भी बारिश नहीं हुई. आईआईटी कानपुर के निदेशक मनीन्द्र अग्रवाल ने बताया कि दिल्ली में कृत्रिम वर्षा के प्रयास "पूरी तरह सफल" नहीं रहे. उन्होंने बताया कि मंगलवार को दो उड़ानें भरी गईं- एक दोपहर में और दूसरी शाम के समय. इन उड़ानों के दौरान कुल 14 फ्लेयर दागे गए, लेकिन इसके बावजूद बारिश नहीं हुई. अग्रवाल ने कहा, "विमान फ्लेयर दागने के बाद मेरठ लौट आया, लेकिन अब तक कोई वर्षा नहीं हुई है. इस लिहाज से यह प्रयास पूरी तरह सफल नहीं कहा जा सकता." आप जानते हैं कि लंबे समय से दिल्ली को प्रदूषण से मुक्त कराने के लिए विकल्प के बड़े दावे के रूप में प्रचारित किया गया है। दिल्ली में यह बहु-प्रचारित प्रयोग स्थगित करना पड़ा। बल्कि बारिश की फुहारों के बजाय राजनीतिक घमासान और सवालों की बारिश के रूप में इसकी परिणति हुई। राष्ट्रीय राजधानी के आकाश में छाये जहरीले धुएं को धोने के लिए जो करीब सवा तीन करोड़ रुपये खर्च किए गए, वे बूंदाबांदी भी नहीं नहीं ला सके। इसके बाद न केवल आसमान सूखा रहा बल्कि दिल्ली की उम्मीदें भी सूखी रहीं। इसके इतर प्रदूषण के समाधान के लिए बहुप्रचारित इस प्रयोग के असफल होने के तुरंत बाद आम आदमी पार्टी और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी में राजनीतिक घमासान शुरू हो गया। इसमें दो राय नहीं कि वैज्ञानिक परीक्षण तार्किकता और अनुकूल परिवेश में ही सिरे चढ़ता है। इसी तरह क्लाउड सीडिंग के लिए जरूरी अनुकूल परिस्थितियों के न होने के तथ्य को गंभीरता से नहीं लिया गया। दरअसल, कृत्रिम बारिश केवल उन्ही परिस्थितियों में फलीभूत होती है जब वातावरण में पर्याप्त नमी हो, आसमान में घने बादल छाए हों तथा हवा का रुख स्थिर बना रहे। दुनिया के कई देशों, मसलन चीन, थाईलैंड और संयुक्त अरब अमीरात में कृत्रिम बारिश के प्रयोग इसलिए सफल हो सके क्योंकि उन्होंने इस प्रयोग को सिरे चढ़ने के लिये सही समय को चुना था। दिल्ली के शासन-प्रशासन ने इस प्रयोग को अमली जामा पहनाने से पहले इस बात को नजरअंदाज किया कि दिल्ली का आसमान शुष्क है और वातावरण में नमी की कमी है। ऐसे में पर्याप्त आर्द्रता यानी बादलों के पर्याप्त घनत्व के बिना सिल्वर आयोडाइड की लपटें बारिश पैदा नहीं कर सकतीं। ऐसा नहीं हो सकता कि इस विकल्प को सिरे चढ़ने वाले योजनाकारों को विज्ञान की यह सीमा ज्ञात नहीं थी। फिर भी यदि सरकार आगे बढ़ी तो निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि सरकार की प्राथमिकता परिणामों के बजाय इससे मिलने वाले प्रचार को लेकर ज्यादा रही। ऐसे में एक सवाल यह भी उठता है कि क्या दिल्ली सरकार समस्या के वास्तविक समाधानों की अनदेखी करते हुए कृत्रिम बारिश को सिरे चढ़ने वाले महंगे विकल्पों पर दांव लगा सकती है? वास्तव में हमें प्रदूषण की जड़ों पर प्रहार करने की जरूरत है। कृत्रिम बारिश एक फौरी विकल्प तो हो सकता है, लेकिन समस्या का अंतिम समाधान नहीं हो सकता। वास्तव में आज जरूरत प्रदूषण उत्सर्जन के स्रोतों को बंद करने की है। यहां पता रहे कि दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को दुरुस्त करने की आवश्यकता है ताकि लोग निजी वाहनों का उपयोग कम करें। सरकार की प्राथमिकता वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को कम करने, साल भर चलने वाले निर्माण कार्य से उत्पन्न धूल को नियंत्रित करने तथा पर्यावरण अनुकूल मानदंडों को सख्ती से लागू करने की होनी चाहिए। सरकार को चाहिए था कि खर्चीली कृत्रिम बारिश की योजना को सिरे चढ़ने के बजाय हवा को अधिक प्रभावी ढंग से साफ करने को तरजीह दी जाती। निर्विवाद रूप से यह असफल प्रयोग सत्ताधीशों की एक बड़ी बीमारी को भी दर्शाता है, जो प्रदूषण नियंत्रण को बतौर कारगर नीति लागू करने के बजाय उसके समाधान के प्रयासों को प्रचारित करने की प्रवृत्ति से ग्रसित हैं। दिल्ली की कई सरकारों के कार्यकाल में प्रदूषण नियंत्रण कार्य में प्रगति कम हुई है और विज्ञापनों पर करोड़ों रुपये खर्च करके लोक लुभावनी योजनाओं का ज्यादा प्रचार होता रहा है। ऐसी नीतियों को सिरे चढ़ने में सख्त अनुशासन की जरूरत है। इसमें दो राय नहीं कि प्रदूषण के संकट का समाधान हेलीकॉप्टरों के जरिये आकाश में रसायन बिखेरने से नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर सुशासन, निरंतर योजना को क्रियान्वित करने और वैज्ञानिक उपायों को सिरे चढ़ने में दृढ़ता दिखाने से होगा। कृत्रिम बारिश के इस प्रयोग की विफलता के बावजूद भविष्य में ऐसे प्रयोगों से हाथ पीछे खींचना भी उचित नहीं होगा। भले ही इस बार बादलों ने साथ नहीं दिया, लेकिन भविष्य में अनुकूल परिस्थितियां बन सकती हैं। इस प्रयोग का सबक है कि दिल्ली के लाखों लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिये वैज्ञानिक संस्थानों और नागरिक एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय के साथ ऐसी योजनाओं को सिरे चढ़ाना चाहिए।

पिछले कुछ समय से उन वैज्ञानिक अनुसंधान से जुड़े महती क्रियाकलापों को भी राजनीतिक उद्देश्यों से प्रचारित करने का सिलसिला चल निकला है लेकिन यह उचित नहीं है जिन योजनाओं के क्रियान्वयन में गंभीरता और परिणामों की उपयोगिता की समीक्षा की जरूरत है उन्हें हवाबाजी और शोशेबाजी का मुद्दा बनाना निरा मूर्खता भरा है। चाहे सामरिक परीक्षण हो या उपग्रह प्रक्षेपण अथवा कृत्रिम बारिश इन्हें यथेष्ट प्रयोगवाद गंभीरता से अंजाम देने की जरूरत है न कि इवेंट बतौर प्रचार करने की। खासकर ऐसे समय में जब फर्जी वैज्ञानिक बन कर जासूस हमारे भाभा अनुसंधान जैसे बेहद शीर्ष सुरक्षा वाले केंद्र में घुसने में सफल हो जाते हैं हमें बहुत सजगता की जरूरत है।

मनोज कुमार अग्रवाल

संपादकीय

प्रशंसा के परदे में सौदे की पटकथा: ट्रंप की रणनीतिक चाल

मोदी-ट्रंप 2.0: डील से परे — विश्वास का इंटरस्टेलर दौर

कूटनीति की गोलियों में लिपटा कॉम्प्लिमेंट: ट्रंप का 'किलर' बयान

दक्षिण कोरिया का ग्यॉंगजू। एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) के सीईओ लंचियन सम्मेलन के मंच पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आवाज़ गूंजी - "मोदी सबसे अच्छे दिखने वाले व्यक्ति हैं, जैसे आपके फादर हो, लेकिन एक किलर (दमदार व्यक्ति) हैं, कठोरता से कठिन!" हंसी का ठहाका, तालियां, और फिर सन्नाटा। क्योंकि यह सिर्फ़ एक बयान नहीं था, बल्कि एक रणनीतिक संकेत था जो बताता है कि सालों से अटकी हुई ट्रेड डील अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। यह 29 अक्टूबर की वह ऐतिहासिक पल थी, जब ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता की दिशा ही बदल दी। ट्रंप ने स्पष्ट कहा कि वे भारत के साथ एक बड़ा व्यापार समझौता कर रहे हैं और मोदी के प्रति उनके मन में गहरा सम्मान और प्रेम है। यह तारीफ महज संयोग नहीं, बल्कि एक सोची-समझी कूटनीतिक चाल थी। मात्र दो महीने पहले, अगस्त 2025 में, ट्रंप प्रशासन ने भारतीय निर्यातों पर 50 प्रतिशत तक भारी टैरिफ थोप दिया था - आभूषण, झींगा, वस्त्र सबकी कमर टूट गई। वजह? भारत का रूस से तेल आयात। पलटवार में भारत ने अमेरिकी बादाम और सेब पर जवाबी टैरिफ लगा दिया। तनाव आसमान छू रहा था, दोनों देशों के बीच व्यापार युद्ध की आग सुलग रही थी। लेकिन सितंबर में एक निर्णायक फोन कॉल ने सब पलट दिया - ट्रंप और मोदी की घंटों लंबी, गहन बातचीत। उसके बाद वार्ताओं का तूफान उठा। अब अमेरिकी अधिकारी खुलकर बता रहे हैं कि डील की पहली किस्त नवंबर 2025 तक मुहरबंद हो सकती है। ट्रंप का यह जोरदार बयान उसी ऐतिहासिक प्रगति का जीता-जागता सबूत है। ट्रंप ने 'किलर' और 'फादर' जैसे शब्दों का इस्तेमाल क्यों किया? यह उनका पुराना हथियार है - प्रशंसा की आड़ में दबाव की सुई चुभोना। उन्होंने मई 2025 के भारत-पाकिस्तान संघर्ष का जिक्र छेड़ा, जिसे 'ऑपरेशन सिंदूर' का नाम दिया गया। ट्रंप का दावाः उन्होंने मोदी को चेताया था - "पाकिस्तान से लड़ोगे तो व्यापार सौदा भूल जाओ।" मोदी का करारा जवाबः "नहीं, हम लड़ेंगे।" लेकिन महज दो दिन बाद युद्धविराम। ट्रंप इसे अपनी कूटनीतिक जीत बताते हैं। भारत ने इस दावे को सिरे से खारिज किया - भारतीय पक्ष का स्पष्ट मतः सीजफायर पाकिस्तान की सैन्य मजबूरी और अपील पर हुआ, किसी बाहरी दबाव पर नहीं। फिर भी ट्रंप ने इसे अपनी सफलता का तमगा बना लिया और मोदी को "फादर जैसा दयालु, लेकिन किलर योद्धा" का खिताब दे डाला - एक प्रशंसा जो सम्मान के साथ-साथ रणनीतिक संदेश भी देती है। जब ट्रंप का यह बयान सामने आया, तो जैसे वैश्विक मंच पर एक नई हलचल सी दौड़ गई। सोशल मीडिया गूंज उठा – किसी ने इसे मोदी के प्रभाव की पहचान कहा, तो किसी ने राजनीतिक नाटकीयता का नमूना। पर सच्चाई यह है कि यह ट्रंप का अंदाज़-ए-डिप्लोमेसी है – बातचीत की मेज़ पर बढ़त पाने की कला।

2019 के 'हाउडी मोदी' से शुरू हुआ व्यक्तिगत समीकरण अब राजनीतिक पूँजी बन चुका है। दोनों नेताओं के बीच जो भरोसा बना है, वही आज ट्रेड टेबल पर सबसे बड़ी ताकत के रूप में उभर रहा है। भारत-अमेरिका संबंधों का इतिहास खुद इसकी गवाही देता है – रणनीति में हम हमेशा साथ, पर व्यापार में अक्सर मतभेदों के बंधन में जकड़े रहे। 2008 का परमाणु समझौता हो या क्वाड गठबंधन – साझेदारी गहरी रही, पर ट्रेड की दीवारें कभी नहीं टूटीं। 2019 में ट्रंप ने भारत की जीएसपी सुविधा छीन ली, और 2025 में रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद तेल आयात पर नई तनातनी ने रिश्तों में ठंडक ला दी। लेकिन अब हवा बदल रही है – इस बार दोनों देश सिर्फ रणनीतिक साझेदार नहीं, आर्थिक भागीदार बनने की ओर बढ़ रहे हैं। आने वाली व्यापार डील ऐतिहासिक होगी – नई सोच, नए अवसर और नए समीकरणों की प्रतीक। भारत अमेरिकी सेब और बादाम के आयात को आसान बनाएगा, जबकि बदले में अमेरिका भारतीय कपड़ा, चमड़ा और दवाओं पर लगने वाला टैक्स 50% से घटाकर महज़ 15-16% कर देगा। अनुमान है कि 2030 तक दोनों देशों के बीच व्यापार 500 अरब डॉलर की ऊँचाई छू सकता है। वाणिज्य मंत्री का रुख स्पष्ट है – "फैसले जल्दबाज़ी में नहीं, देशहित में होंगे।" यह समझौता 'मेक इन इंडिया' और 'अमेरिका फर्स्ट' दोनों नीतियों को एक साझा मंच देगा, विशेषकर तकनीक, ऑटोमोबाइल और ऊर्जा क्षेत्रों में। यह सिर्फ एक डील नहीं, बल्कि दो लोकतंत्रों के बीच विश्वास के नए युग की शुरुआत है।

भारत के लिए इसका लाभ विशाल होगा – निर्यात पर करीब 23 अरब डॉलर की छूट से लाखों नई नौकरियों के द्वार खुलेंगे, खासकर उत्तर भारत के छोटे और मध्यम उद्योगों में। एप्पल और टेस्ला जैसी दिग्गज कंपनियों के अरबों डॉलर के निवेश से 'चीन के विकल्प' के रूप में भारत की स्थिति और मज़बूत होगी। क्वाड समूह को भी इससे नई गति मिलेगी। फिर भी चुनौतियाँ कम नहीं हैं। अमेरिका भारत से डेयरी क्षेत्र को खोलने की मांग कर रहा है – जो हमारे किसानों के लिए गंभीर चिंता का विषय है। वहीं, रूस से तेल खरीद पर ट्रंप की चेतावनी अभी भी छाया बनी हुई है। यदि इस सौदे में कृषि हितों की अनदेखी हुई, तो आर्थिक लाभ के साथ-साथ राजनीतिक तूफान उठना तय है। यह 20 सालों का सबसे बड़ा व्यापारिक संकट अब इतिहास बनने को तैयार है - बस संतुलन की एक चिंगारी चाहिए। ट्रंप की तारीफें साधारण शब्द नहीं, बल्कि युद्ध का नगाड़ा हैं। यह घोषणा है कि भारत-अमेरिका अब खून के रिश्ते में बंध चुके हैं। पिता का अटूट स्नेह और किलर की अजेय ताकत - यही मोदी का अलौकिक जादू है। नवंबर में मुहर लगते ही 2025 वैश्विक व्यापार का महासंग्राम जीत का उत्सव बनेगा। 'विकसित भारत 2047' को रॉकेट नहीं, इंटरस्टेलर स्पेसशिप मिलेगा। दिल थाम लो - यह 'किलर डील' नहीं बनेगी, तो इतिहास क्या लिखेगा? समय की सुई अब धड़कन बन चुकी है; बस एक झपकी में सदी का सूर्योदय हो जाएगा।

प्रो. आरके जैन

विनम्रता, मनुष्यता का सत्व-सार,जीवन की मुस्कुराहट

विनम्रता मनुष्य के भीतर का वह नाद है, जो बिना बोले उसकी आत्मा का संगीत बन जाता है। यह विराट ज्ञान का सहज और मौन रूप है, जो शोर नहीं करता, परंतु चारों ओर सौंदर्य और संतुलन फैला देता है। जिस प्रकार सूर्य बिना गर्व किए प्रकाश देता है और सागर अपनी गहराई का बखान नहीं करता, उसी प्रकार सच्चा ज्ञानी अपनी विनम्रता से ही पहचाना जाता है। विनम्रता मनुष्य के व्यक्तित्व की वह आभा है, जो बिना आभूषणों के भी उसे तेजस्वी बना देती है।मनुष्य का स्वभाव दो ध्रुवों पर टिका है अहंकार और विनम्रता। अहंकार ऊँचा उठने की चेष्टा करता है पर भीतर खोखलापन बढ़ाता है; जबकि विनम्रता नीचे झुककर भीतर की गहराई में डूबती है और वहाँ से आत्मबल का जल खोज लाती है। यही कारण है कि विनम्र व्यक्ति स्थायी रूप से ऊँचा होता है, जबकि अहंकारी व्यक्ति क्षणिक प्रसिद्धि के बाद विस्मृति में खो जाता है। ज्ञान का सार यह नहीं कि हम क्या जानते हैं, बल्कि यह कि हम जो जानते हैं, उसे कितनी विनम्रता से स्वीकारते हैं। दार्शनिक सुकरात ने कहा था÷मुझे केवल इतना ज्ञात है कि मैं कुछ नहीं जानता।÷ यह वाक्य केवल आत्मस्वीकार नहीं, बल्कि गहन दार्शनिक साक्षात्कार था। जब व्यक्ति यह जान लेता है कि उसके ज्ञान की सीमा है, तभी उससे परे के सत्य की खोज आरंभ होती है। यही विनम्रता का प्रारंभ है। बुद्ध ने कहा – "विनय ही ज्ञान का द्वार है।" इसीलिए बौद्ध संघ में प्रथम गुण के रूप में ÷विनय÷ को स्वीकार किया गया। भारतीय दर्शन में भी "विनय" को ब्रह्मचर्य, अहिंसा और सत्य की भांति जीवन की साधना माना गया है। विनम्रता व्यक्ति को भीतर से निर्मल बनाती है। वह दूसरों की सफलता से ईर्ष्या नहीं करता, क्योंकि उसे ज्ञात होता है कि प्रत्येक आत्मा अपने मार्ग पर साधना में है। विनम्र व्यक्ति का अहंकार नहीं, आत्मसम्मान बोलता है। वह दूसरों की बात सुनता है, उन्हें सम्मान देता है और सीखने की प्रक्रिया में सदैव तत्पर रहता है। यही कारण है कि विनम्रता और ज्ञान एक ही सिक्के के दो पहलू हैं – जहाँ ज्ञान है, वहाँ विनम्रता अनिवार्य है। भारतीय संतों और चिंतकों ने सदैव यह कहा कि सच्चा ज्ञान वही है, जो मनुष्य को नम्र बनाता है। तुलसीदास ने कहा था "बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर। पंछी को छाया नहीं, फल लागे अति दूर।" अर्थात यदि ऊँचाई केवल बाहरी है और उसके नीचे करुणा व विनम्रता नहीं, तो वह व्यर्थ है। संत कबीर ने इसी भाव को और स्पष्ट किया – "जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहीं। सब अँधियारा मिट गया, दीपक देखा माहीं।" यह "मैं का अभाव" ही विनम्रता का परम रूप है जहाँ व्यक्ति अपने अस्तित्व का विसर्जन सत्य में कर देता है।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, और स्वामी विवेकानंद जैसे विभूतियों ने ज्ञान और विनम्रता का अद्भुत समन्वय प्रस्तुत किया। राधाकृष्णन जी कहते थे "सच्चा शिक्षक वही है जो सीखना कभी नहीं छोड़ता।" यह विनम्रता का ज्ञानात्मक रूप है। कलाम साहब की सादगी में विज्ञान था, पर उनकी विनम्रता में दर्शन था। वे राष्ट्र के शीर्ष पर पहुँचकर भी बच्चों के प्रश्नों के आगे झुक जाते थे। विवेकानंद ने कहा था – "नम्र रहो, क्योंकि विनम्रता में ही शक्ति है।" विनम्रता केवल व्यक्तिगत गुण नहीं, यह सामाजिक चेतना का आधार भी है। जब समाज के अग्रणी, नेता, शिक्षक, या विचारक विनम्र होते हैं, तब समाज में संवाद जीवित रहता है, और जहाँ संवाद जीवित रहता है, वहाँ संघर्ष की जगह समझ पनपती है। विनम्रता विचारों का सेतु है, दीवार नहीं। यह अहं के कोलाहल में भी संवाद की ध्वनि बनाए रखती है। महात्मा गांधी ने भी यही दर्शन जीया। सत्य और अहिंसा उनके साधन थे, पर उनकी जड़ें विनम्रता में थीं। वे विरोधी से भी संवाद करते थे, शत्रु में भी मनुष्य देखते थे। यह उनकी कमजोरी नहीं, बल्कि मानसिक दृढ़ता थी। विनम्रता की यही पराकाष्ठा थी, जिसने बिना हथियार के साम्राज्य को हिला दिया। विनम्रता का अर्थ यह नहीं कि व्यक्ति स्वयं को छोटा समझे, बल्कि यह कि वह अपने 'अहं' को बड़ा न समझे। यह आत्मबोध का गुण है, आत्महीनता का नहीं। विनम्र व्यक्ति का आत्मबल इतना प्रखर होता है कि वह दूसरों को भी बल देता है। उसके शब्द नहीं, उसका मौन शिक्षा देता है। उसके सामने लोग झुकते नहीं, अपने भीतर झाँकते हैं।

आज के युग में जहाँ प्रतिस्पर्धा का कोलाहल है, वहाँ विनम्रता वह शीतल छाया है जो व्यक्ति को जलने से बचाती है। यह केवल व्यवहार की मर्यादा नहीं, बल्कि आत्मा की परिपक्वता है। ज्ञान का सच्चा उद्देश्य यह नहीं कि हम दूसरों से श्रेष्ठ बनें, बल्कि यह कि हम स्वयं को बेहतर बनाएं। और यह 'बेहतर बनने' की यात्रा तभी संभव है जब मनुष्य विनम्र हो। अहंकार क्षणभंगुर है, जैसे बुलबुला चमकता जरूर है पर टिकता नहीं। विनम्रता स्थायी है, जैसे गंगा – शांत, शीतल, निरंतर बहती हुई, सबको स्नान कराती हुई। भारतीय संस्कृति की दीर्घायु का रहस्य इसी विनम्रता में छिपा है। सहिष्णुता, करुणा, विनय और संयम हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। यही हमें नश्वर परिस्थितियों में भी अमर बनाती हैं। अंततः यही कहा जा सकता है कि विनम्रता वह दर्पण है जिसमें ज्ञान अपनी वास्तविक छवि देखता है। बिना विनम्रता के ज्ञान अधूरा है, और बिना ज्ञान के विनम्रता अंधी। जब ये दोनों एक साथ मिलते हैं, तभी मनुष्य का व्यक्तित्व प्रकाशमान होता है। यही वह अवस्था है जहाँ मनुष्य "माननीय" नहीं, बल्कि "महनीय" बनता है।

संजीव ठाकुर

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। नोट:-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

"राष्ट्रीय एकता दिवस पर श्री गांधी महाविद्यालय में आयोजित यूनिटी मार्च"

सिधौली तहसील क्षेत्र के अंतर्गत श्री गांधी महाविद्यालय, सिधौली, सीतापुर में आज दिनांक 31 अक्टूबर को भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। इस उपलक्ष्य में महाविद्यालय परिसर से यूनिटी मार्च (पदयात्रा) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व महाविद्यालय के प्राचार्य श्री रवीन्द्र कुमार सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अजय वर्मा एवं डॉ. गोपाल सिंह सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। यूनिटी मार्च का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं समरसता का संदेश समाज तक पहुँचाना रहा। प्राचार्य महोदय ने अपने प्रेरक संबोधन में सरदार पटेल के अद्वितीय योगदान और राष्ट्रीय एकीकरण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को उनके जीवन मूल्यों और आदर्शों को अपनाने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण और गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

टाइगर ऑपरेशन में वन दरोगा मुकद्दर अली सम्मानित

माल। माल क्षेत्र के वन दरोगा मुकद्दर अली को टाइगर आपरेशन में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। बीते कुछ महीनों पूर्व क्षेत्र में टाइगर के कहर से ग्रामीण दहशत में जी रहे थे।बच्चों के स्कूल से निकलना तक दूभर हो गया था। वन विभाग के द्वारा चलाए गए टाइगर आपरेशन में माल क्षेत्र के वन दरोगा मुकद्दर अली द्वारा उत्कृष्ट कार्य हेतु उप प्रभागीय वनाधिकारी के सेवानिवृत्त के अवसर पर अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक/मुख्य वन संरक्षक डॉ रेनू सिंह द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

आरेडिका में राष्ट्रीय एकता शपथ एवं 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन

लालगंज (रायबरेली): आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (आरेडिका) में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा ने प्रधान विभागाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों के साथ राष्ट्रीय एकता शपथ ग्रहण की। वहीं अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने-अपने कार्यस्थलों पर उप मुख्य विभागाध्यक्षों के नेतृत्व में शपथ ली।आरेडिका खेलकूद संघ एवं कार्मिक विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'रन फॉर यूनिटी' दौड़ का भी आयोजन किया गया, जिसमें अधिकारियों, कर्मचारियों, रेलवे सुरक्षा बल के जवानों, उत्तर प्रदेश पूर्व सैनिक कल्याण निगम लिमिटेड के सदस्य, बच्चे एवं महिलाएं उत्साहपूर्वक शामिल हुए। महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा ने सभी प्रतिभागियों को राष्ट्र की एकता और अखंडता की शपथ दिलाई तथा सरदार पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान और उनकी दूरदर्शिता पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता विवेक खरे, प्रधान वित्त सलाहकार बी.एल. मीना, प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता मनोज कुमार जिंदल, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी रवीश कुमार, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी रूपेश श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य अभियंता एस.पी. यादव, प्रधान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आभा जैन, मुख्य सतर्कता अधिकारी एवं एसडीजीएम अकमल वदूद, प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चंद्र सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आज खाटू श्याम जन्मोत्सव समारोह एवं विशाल भण्डारा आयोजित

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के ऐहार गांव स्थित बाबा बाल्हेश्वर मंदिर परिसर में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी शनिवार को एकादशी के अवसर पर श्री खाटू श्यामजी का जन्मोत्सव समारोह एवं विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मानव सेवा कल्याण समिति द्वारा किया गया, जिसमें भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी।समारोह में बाबा खाटू श्यामजी की दिव्य आरती एवं आल्हा गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

चोरों ने मजदूर के घर को बनाया निशाना नगदी व लाखों के जेवर समेटकर फरार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद,लखनऊ। लखनऊ कमिश्नरेट रहीमाबाद थाना क्षेत्र में अपराध का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। कहीं पुलिस किसी मामले में कार्रवाई नहीं कर रही है तो कहीं चोरी हो रही है तो रिपोर्ट दर्ज नहीं कर रहे है। ऐसे कई मामले उजागर हो चुके हैं। अब फिर चोरों ने एक मजदूर के घर को निशाना बनाते हुए नगदी व लाखों के जेवर समेटकर फरार हो गए। पुलिस ने अभी तक इस मामले में कोई भी कार्यवाही नहीं की है। वहीं ग्रामीणों में भव्य व्याप्त है। लोग पुलिस गस्त पर सवाल उठा रहे हैं।

रहीमाबाद थाना क्षेत्र के बडखोरवा गांव निवासी सुशील कुमार अपने परिवार के साथ लुधियाना में रहकर मजदूरी कर अपना जीवन यापन करते हैं। गांव में खेत को बटाई पर दे रखा है। शादी समारोह में उनकी पत्नी सुशीला तथा बेटा जितेंद्र गुरुवार को घर आए तो देखा कमरे का ताला टूटा था। वही अंदर रखें बक्सों के भी ताले टूटे थे और पूरा सामान कमरे में बिखरा पड़ा हुआ था। यह देख सभी दंग रह गए। इसकी जानकारी जितेन्द्र ने अपने पिता सुशील को दी। घर पहुंचे सुशील कुमार ने थाना रहीमाबाद पहुंचकर चोरी की तहरीर देते हुए बताया कि घर में रखें बहु सविता के सोने चांदी के जेवर, बेटी सुभाषिनी के जेवर व पचास हजार की नगदी तथा पत्नी के जेवर चोर समेटकर फरार हो गए हैं जिनकी कीमत दस लाख से अधिक है। इससे पूर्व रहीमाबाद थाने से चंद कदम दूरी पर कस्बे में चोरी हो चुकी है जिसका खुलासा अभी तक नहीं हुआ है। वहीं अब पुलिस को खुली चुनौती देकर चोर दसियों लाख के जेवरात समेटकर फरार हो गए। रहीमाबाद थाना क्षेत्र में बढ़ते अपराध को लेकर ग्रामीणों में स्थानीय पुलिस के प्रति विश्वास कम होता चला जा रहा है। अगर इसी तरह से क्षेत्र भर में चोरियां होती रही तो लोगों में भय का माहौल व्याप्त हो जाएगा और चोर ऐसे ही घरों को निशाना बनाते हुए चोरी की घटनाओं को अंजाम देते रहेंगे।

होमगार्ड राकेश सिंह का सेवानिवृत्ति समारोह धूमधाम से सम्पन्न

लालगंज (रायबरेली)। पुलिस चौकी लालगंज में तैनात होमगार्ड राकेश सिंह के सेवानिवृत्त होने पर शुक्रवार को एक भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। सहकर्मियों और अधिकारियों ने उन्हें फूलमालाओं से सम्मानित करते हुए उनके दीर्घकालिक सेवाओं की सराहना की। समारोह में पी.सी. चैन मोहम्मद, महेश कुमार, मेजर बृजेन्द्र सिंह, विश्वनाथ तिवारी, मनोज कुमार, सर्वेश यादव, मान सिंह, राजहंस, छोटेलाल, रामेश्वर तिवारी, ताराचंद सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने राकेश सिंह के उज्ज्वल भविष्य और स्वस्थ जीवन की कामना की।

तालगांव में रन फॉर यूनिटी का आयोजन

● सरदार पटेल जयंती पर कोतवाली प्रभारी आशीष तिवारी के नेतृत्व में हुई दौड।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तालगांव सीतापुर सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर तालगांव में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तालगांव कोतवाली प्रभारी आशीष तिवारी के नेतृत्व में यह दौड़ परसेंडी ब्लॉक स्थित हायर सेकेंडरी स्कूल से शुरू हुई, जिसमें लगभग 200 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। करीब 1000 मीटर लंबी इस दौड़ में कोतवाली के महिला और पुरुष आरक्षी भी शामिल हुए। दौड़ का समापन परसेंडी रेलवे स्टेशन पर हुआ, जहां सभी प्रतिभागियों को फल, बिस्किट और पानी उपलब्ध कराया गया। कोतवाली प्रभारी आशीष तिवारी ने बताया कि पूरे देश में सरदार पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इसी क्रम में देश की एकता और अखंडता के संकल्प को दोहराने के लिए रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। 31 अक्टूबर को भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर उनके अखंड भारत के सपने को सम्मान देने और देश की एकता व अखंडता के प्रति संकल्प को दोहराया जाता है। सरदार पटेल ने सैकड़ों रियासतों को भारतीय संघ में एकीकृत किया था, जो एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना का प्रतीक है। कार्यक्रम के दौरान परसेंडी सीएचसी की मेडिकल टीम भी मौजूद रही, ताकि किसी भी आकस्मिक चिकित्सा आवश्यकता को पूरा किया जा सके। इस आयोजन को सफल बनाने में उप निरीक्षक राम केवल, वीरेंद्र मिश्रा, नूर मोहम्मद, नरसिंह यादव, कांस्टेबल राज, गिरीश, अर्जुन सहित कई महिला और पुरुष सिपाहियों ने सहयोग किया।

300 मीटर लंबा तिरंगा लेकर दौड़े पुलिसकर्मी रन फॉर यूनिटी का आयोजन, राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद में देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर बुधवार को जिलेभर में 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया इस अवसर पर सीतापुर पुलिस ने शहर में एकता दौड़ का आयोजन किया, जिसमें पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल स्वयं महिला और पुरुष आरक्षियों के साथ दौड़े दौड़ की शुरुआत बहुगुणा चौराहे से हुई और लगभग 1.9 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद तरणताल परिसर में इसका समापन किया गया कार्यक्रम के दौरान एसपी अंकुर अग्रवाल ने सभी पुलिसकर्मियों को राष्ट्रीय एकता और अखंडता की शपथ दिलाई उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने जिस एकजुट भारत का सपना देखा था, उसी भावना को हमें अपने कार्यों से साकार करना है दौड़ के दौरान जगह-जगह लोगों ने पुलिस कर्मियों पर फूल बरसाकर उनका उत्साह बढ़ाया इस मौके पर एएसपी आलोक सिंह, सीओ सिटी विनायक भोसले, सीओ सदर नेहा त्रिपाठी सहित सैकड़ों पुलिसकर्मी मौजूद रहे उधर, भारतीय जनता पार्टी की ओर से भी रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया, जिसमें राज्यमंत्री बेसिक शिक्षा रजनी तिवारी सहित कई कार्यकर्ता और युवा शामिल हुए मंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि सरदार पटेल ने देश की 562 रियासतों को एकजुट कर अखंड भारत की नींव रखी थी आज देश के युवाओं को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में विकसित भारत का जो सपना साकार हो रहा है उसमें युवाओं की भूमिका सबसे अहम है ऐसे आयोजनों से देश में एकता, अनुशासन और देशभक्ति की भावना मजबूत होती है!!

रंजिश में महिला व उसके ससुर को पीटा

स्वतंत्र प्रभात ब्रेकिंग न्यूज़

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के सुआखेड़ा गांव में पुरानी रंजिश को लेकर चार लोगों एक महिला व उसके बुजुर्ग ससुर की पिटाई कर दी। जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया। गांव निवासिनी चंद्रावती ने बताया कि वह बुधवार की सुबह धान काट कर घर पहुंची, तभी गांव के ही राकेश, राहुल, कौशल्या व अंकिता ने गाली गलौज करते हुए उस पर हमला बोल दिया। आरोपियों ने उसकी जमकर लात घूँसो और डंडों से पिटाई कर दी। बचाने पहुंचे उसके ससुर गंगाप्रसाद को भी मारा पीटा। इससे दोनों को गंभीर चोटे आ गई। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले में केस दर्ज कर कार्रवाई की गई।

डीएम ने दरी फैक्ट्रियों का किया निरीक्षण कारीगरों से बात करके जानी समस्या, ओडीओपी से मिलेगी बेहतर पहचान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में जिलाधिकारी राजागणपति आर ने शुक्रवार दोपहर को शासन की महत्वाकांक्षी योजना एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) के तहत जनपद की चयनित दरी इकाइयों का औचक निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सबसे पहले बदरुज्जमा, फखरुज्जमा और सदरुल्जमा की दरी फैक्ट्रियों पर पहुंचे, जहां उन्होंने दरी निर्माण की समूची प्रक्रिया का बारीकी से अवलोकन किया उन्होंने इकाई स्वामियों से बुनाई, रंगाई से लेकर पैकेजिंग तक की कार्यप्रणाली की जानकारी ली और उत्पादन की गुणवत्ता के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए इस दौरान जिलाधिकारी ने दरी उद्योग से जुड़े कारीगरों से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं के बारे में जानकारी प्राप्त की उन्होंने कहा कि जनपद का दरी उद्योग पारंपरिक हुनर का प्रतीक है और इसे वैश्विक पहचान दिलाने के लिए शासन की ओर से हर संभव सहयोग दिया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान मैसर्स आईएनसी रग्स के प्रतिनिधि ने जिलाधिकारी को जनपद में निर्मित दरियों के निर्यात संबंधी कार्यों की जानकारी दी जिलाधिकारी ने निर्यात को बढ़ावा देने के लिए गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित करने और पैकेजिंग में नवाचार अपनाने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि ओडीओपी योजना प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के साथ-साथ स्थानीय कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने का माध्यम है। दरी निर्माण से जुड़े उद्यमियों को प्रशिक्षण, विपणन और वित्तीय सहायता के माध्यम से और अधिक प्रोत्साहन दिया जाएगा जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद के पारंपरिक उत्पादों के प्रचार-प्रसार के लिए नियमित रूप से निरीक्षण एवं समीक्षा की जाए, ताकि स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बेहतर पहचान मिल सके!!

बक्सी का तालाब में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर रन 'फॉर यूनिटी': एसीपी ने झंडी दिखाकर किया रवाना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर बक्शी का तालाब, 31 अक्टूबर लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की150वीं जयंती के उपलक्ष्य पर 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन थाना बक्शी का तालाब, चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय, एवं बक्शी का तालाब इंटर कॉलेज के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। इस अवसर पर सहायक पुलिस आयुक्त ज्ञानेंद्र सिंह ने झंडी दिखाकर मैराथन को सीतापुर रोड से रवाना किया। मैराथन का समापन भारतीय वायु सेना गेट पर हुवा। सहायक पुलिस आयुक्त ज्ञानेंद्र सिंह एवं बक्शी का तालाब इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य आदरणीय अशोक वाजपेई, चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय के खेल प्रशिक्षक राम प्रकाश सिंह द्वारा महिला एवं पुरुष वर्ग के प्रथम द्वितीय एवं तृतीय प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। रन फॉर यूनिटी में बक्शी का तालाब इंटर कॉलेज की राखी विश्वकर्मा को प्रथम, मनीषा राठौड़ को द्वितीय एवं शीतल गुप्ता को तृतीय स्थान मिला वहीं पर पुरुष वर्ग में बक्शी का तालाब इंटर कॉलेज के छात्र अर्पित गुप्ता को प्रथम, चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय के छात्र शिवा यादव को द्वितीय तथा बक्शी का तालाब इंटर कॉलेज के छात्र मुकेश सिंह को तृतीय स्थान मिला। मुख्य अतिथि सहायक पुलिस आयुक्त ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि सरदार वल्लभभाई पटेल एक महान पुरुष थे वह नाम और काम दोनों में लौह थे हम सभी लोगों का दायित्व है कि हम सब लोग मिलकर एक सशक्त भारत का निर्माण करें। बक्शी का तालाब इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य अशोक बाजपेई ने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन एवं कार्यों पर चर्चा की। कृषि महाविद्यालय के सह- आचार्य डॉ सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि श्रद्धेय बल्लभभाई पटेल जी जिन्हें हम सरदार पटेल जी के नाम से जानते हैं आज के दिन हम सभी भारतीय राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में इनका जन्मदिन मनाते है पटेल जी सबसे पहले भारत देश के प्रथम उप- राज्यपाल के रूप में कार्य कियाआपने किसानों के लिए संघर्ष किया। डॉ सिंह ने कहा कि पटेल जी ने सन 1918 में अंग्रेज सरकार के विरुद्ध खेड़ा संघर्ष किया जिसमें अंग्रेजी सरकार को झुकना पड़ा और किसानों को कर मुक्त कराया। आप किसानों जवानों और छात्रों के मसीहा है आपने 1947 भारत-पाक युद्ध में अहम भूमिका ग्रहमंत्री के रूप में निभाई। इस कार्यक्रम में बक्शी का तालाब थाने में राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर सब इंस्पेक्टर कैलाश दुबे,थाना बख्शी का तालाब के पुलिसकर्मीयो छात्र-छात्राओं तथा क्षेत्रीय नागरिकों ने हिस्सा लिया। रन फॉर यूनिटी में आये हुई सभीआगंतुकों एवं प्रतिभाग करने वाले छात्र-छात्राओं को सब इंस्पेक्टर कैलाश दुबे ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

शैलेंद्र अग्निहोत्री बने अखिल भारतीय हिंदू महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष

● रतापुर स्थित होटल में हुआ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली। शहर के रतापुर स्थित एक प्रतिष्ठित होटल में शुक्रवार को अखिल भारतीय हिंदू महासभा का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर सरेनी के पूर्व कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख एवं वरिष्ठ समाजसेवी शैलेंद्र अग्निहोत्री को संगठन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया।कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी विजय नारायण भट्ट मुख्य अतिथि तथा राष्ट्रीय संयोजक अनिल कुमार शर्मा और महिला प्रदेश अध्यक्ष रेखा निषाद विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।मुख्य अतिथि ने शैलेंद्र अग्निहोत्री को बधाई देते हुए कहा कि संगठन को उनके नेतृत्व से नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने कहा, "संगठन को ऐसे कर्मठ और समर्पित कार्यकर्ता की आवश्यकता है जो समाज व सनातन परंपरा के लिए निष्ठा से कार्य करे। "नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेंद्र अग्निहोत्री ने संगठन के प्रति आभार जताते हुए कहा कि वे समाज सेवा और सनातन संस्कृति के संवर्धन के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि हिंदू महासभा अब तक पाँच राज्यों में अपने संगठन का विस्तार कर चुकी है और गौ रक्षा व सनातन संस्कृति के संरक्षण हेतु निरंतर कार्यरत है।समारोह में राजेंद्र अवस्थी, पंकज मिश्रा, गंगेश चौरसिया, राजेश श्रीवास्तव, अजय मिश्रा, महेंद्र पांडेय, राहुल सिंह, जयशंकर शुक्ला, विभा द्विवेदी, डॉ. शिवेंद्र, डॉ. जितेंद्र मणि द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आजादी के बाद भारत की जो तस्वीर हम देखते हैं,एक मज़बूत, एकीकृत राष्ट्र, वह पटेल के लौह-संकल्प का परिणाम-प्राचार्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। अटल बिहारी वाजपेई नगर निगम डिग्री कॉलेज लखनऊ में राष्ट्रीय एकता दिवस भारतरत्न लौहपुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन। महाविद्यालय के सरदार ऊधम सिंह सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यवक्ता के रूप में इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. ओम प्रकाश पाण्डेय एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुभाष चन्द्र पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर अतिथियों , समस्त शिक्षकों एवं छात्र - छात्राओं द्वारा सरदार बल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर दीप प्रज्जलित कर पुष्पांजलि अर्पित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुभाष चन्द्र पाण्डेय ने सरदार पटेल के देश के प्रति किए गए योगदान को साझा करते हुए कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपने दृढ़ संकल्प, अडिग इच्छाशक्ति और नेतृत्व के प्रति सैद्धांतिक दृष्टिकोण के कारण 'भारत के लौह पुरुष' की उपाधि अर्जित की।

अपने पूरे राजनीतिक जीवन में, पटेल ने स्वतंत्रता संग्राम और स्वतंत्रता के बाद के शासन दोनों की चुनौतीपूर्ण मांगों को पूरा करने के लिए आवश्यक शक्ति और लचीलापन का उदाहरण दिया। आजादी के बाद भारत की जो तस्वीर हम देखते हैं, एक मज़बूत, एकीकृत राष्ट्र, वो दरअसल पटेल के लौह-संकल्प का परिणाम है। यही कारण है कि उन्हें न केवल ÷भारत का लौह पुरुष÷ कहा गया, बल्कि वे आज भी राष्ट्र-निर्माण के सबसे प्रेरणादायक स्तंभों में से एक माने जाते हैं। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता डॉ ओम प्रकाश पाण्डेय ने बताया कि भारत की आजादी के बाद जब पूरा देश रियासतों, मतभेदों और अस्थिरता के बीच दिशा खोज रहा था, तब सरदार वल्लभभाई पटेल दृढ़ता, निर्णय क्षमता और अटूट राष्ट्रभक्ति का प्रतीक बनकर खड़े हुए। सरदार पटेल एक ऐसे नेता थे, जिन्होंने न तलवार से, न जंग से, बल्कि अपनी अटल इच्छाशक्ति और राजनीतिक बुद्धिमत्ता से 562 रियासतों को एकजुट कर भारत को अखंड बनाया। कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभाग के सहायक आचार्य जागेश्वर प्रसाद सिंह ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षक व छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

श्री शीतल प्रसाद इंटर कॉलेज मे लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की मनाई गई जयंती

● प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दिलाई गई राष्ट्रीय एकता की शपथ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

संवाददाता राजेश कुमार

रायबरेली गुरबख्शगंज सतांव विकासखंड अंतर्गत कोन्सा में स्थित श्री शीतल प्रसाद इंटर कॉलेज में विगत वर्षों की भांति विद्यालय प्रबंधन द्वारा लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्म जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बारी-बारी से उपस्थित सभी लोगों ने सरदार वल्लभभाई पटेल के द्वारा किए गए सराहनीय कार्यों पर चर्चा की गई प्रार्थना सभा के आयोजन में भारत रत्न संविधान निर्माता डॉ बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के संविधान निर्माण में भी सरदार वल्लभ भाई पटेल की भूमिका पर विस्तृत प्रकाश डाला गया एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया तत्पर साथ रन फॉर यूनिटी का आयोजन भी किया गया जिसमें सभी छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया छात्र-छात्राओं में नीरज कुमार, प्रतिमा देवी, आफिया बानो, संजू देवी, करीना देवी, विद्यालय प्रबंधन में अध्यापक और अध्यापिकाओं मे राम प्रकाश, जगदीश प्रसाद सरोज, मोहनलाल, राहुल कुमार, आनंद मिश्रा, श्रीमती अंजू सिंह, अमित मोहन त्रिपाठी, सहित कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य राजकुमार पटेल भी उपस्थित रहे संवाद एवं विचार गोष्ठी के समापन पर प्रधानाचार्य राजकुमार पटेल जी ने कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं अध्यापक तथा अध्यापिकाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी के सहयोग एवं प्यार से ही विद्यालय दिन प्रतिदिन ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है।

पुलिस ने ग्रामीणों को दी नए कानूनों की दी जानकारी

जानकारी देते पुलिस कर्मी।

पूरा बिरधा (तालबेहट)। थाना पूरा कला पुलिस द्वारा नये कानून जागरूकता अभियान 2.0 के अंतर्गत कस्बा पूरा कला, ग्राम विजयपुरा एवं ग्राम चौबारा द्वमें चौपाल लगाई गई। इस दौरान पुलिस टीम ने ग्रामीणों को नये कानूनों जैसे ई-एफआईआर, जीरो एफआईआर सहित अन्य कानूनी सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। लोगों को बताया गया कि इन सुविधाओं से आम नागरिक अब कहीं से भी तत्काल शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

एसओ रमेश चन्द्र मिश्रा ने अपील की कि सभी लोग कानून की जानकारी रखें और किसी भी आपात स्थिति में इन सेवाओं का उपयोग करने से न हिचकें। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में कानूनी साक्षरता बढ़ाना और पुलिस सृजन सहयोग को मजबूत करना है।

अटल बिहारी वाजपेई नगर भारत विकास परिषद ने 'स्मृति वन' के रूप में किया 51 पौधों का वृक्षारोपण,गौ सेवा और हनुमान चालीसा का भी हुआ पाठ

मलिहाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारत विकास परिषद समर्पण शाखा जानकीपुरम ने शुक्रवार को श्री गोपेश्वर गौशाला में 'स्मृति वन' के रूप में लगभग 51 औषधीय और फलदार पौधों का वृक्षारोपण किया। इस पुनीत कार्यक्रम में समर्पण शाखा के 30 सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी की, जिसका उद्देश्य गौशाला परिसर को हरा-भरा बनाना और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।बीवीपी समर्पण शाखा की ओर से अध्यक्ष सर्वेश खरे, सचिव जयमल राजपूत, कोषाध्यक्ष अनिल गुप्ता और कार्यक्रम संयोजक डीसी मौर्य सहित लगभग 30 सदस्यों ने मिलकर गौशाला परिसर में विभिन्न प्रकार के औषधीय और फलदार पौधों का रोपण किया। इन पौधों को 'स्मृति वन' का रूप दिया गया है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरित विरासत साबित होंगे।

गौ सेवा और धार्मिक अनुष्ठान वृक्षारोपण के बाद, परिषद के सदस्यों ने धार्मिक और सेवा कार्यों में भी हिस्सा लिया। सदस्यों ने श्री चिंता हरण हनुमान जी महाराज के मंदिर में सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया। गौशाला में सेवा पा रही गौ माताओं को गुड़ खिलाया गया, जो सेवा और समर्पण के भाव को दर्शाता है।सभी सदस्यों ने भगवान गोपेश्वर नाथ के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री गोपेश्वर गौशाला के प्रबंधक उमाकांत ने कार्यक्रम में पधारे सभी आगंतुकों का हृदय से स्वागत किया और समर्पण शाखा के सदस्यों का इस नेक पहल के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में, गौशाला परिवार द्वारा सभी सदस्यों के लिए भोजन प्रसादी की भी व्यवस्था की गई।भारत विकास परिषद समर्पण शाखा का यह प्रयास, पर्यावरण संरक्षण और सेवा कार्यों को एक साथ जोड़कर समाज को एक सकारात्मक संदेश देता है।

संक्षिप्त खबरें

निपुण भारत मिशन के तहत विजन एवं रणनीति कार्यशाला संपन्न

देवरिया, 31 अक्तूबर। जनपद स्तरीय निपुण भारत मिशन-विजन एवं रणनीति की कार्यशाला में देवरिया, कुशीनगर जनपद के खंड शिक्षा अधिकारी, आरपी, डायट मेंटर और एसआरजी शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी प्रत्यूष पांडेय ने किया। इस अवसर पर राज्य परियोजना कार्यालय लखनऊ से लतिका गुप्ता एवं करिश्मा मौजूद रहीं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शालिनी श्रीवास्तव ने कहा कि निपुण भारत मिशन का लक्ष्य प्रत्येक बच्चे को कक्षा-3 तक भाषा और गणित में दक्ष बनाना है। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि शिक्षा समाज की प्रगति की नींव है, और निपुण भारत मिशन इस दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। कार्यशाला में डायट प्राचार्य अनिल सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी विजयपाल नारायण त्रिपाठी, प्रभात चंद्र राय, तथा एसआरजी उपेंद्र उपाध्याय ने विचार साझा किए। राज्य परियोजना कार्यालय की टीम ने प्रशिक्षण सत्रों का संचालन किया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक चर्चा व फीडबैक सत्र के साथ हुआ। इस अवसर पर जिला समन्वयक ज्ञानेंद्र सिंह, आशुतोष शुक्ला, तथा तकनीकी सहयोगी आलोक पांडेय व अमित मिश्रा उपस्थित रहे।

आचार्य नरेंद्रदेव व सरदार पटेल की जयंती पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित

देवरिया। रामपुर कारखाना स्थित सपा जनसंपर्क कार्यालय पर समाजवादी पुरोधा आचार्य नरेंद्रदेव और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में सपा के पूर्व प्रवक्ता चंद्रभूषण सिंह यादव ने कहा कि आचार्य नरेंद्रदेव ने समाजवाद की परिकल्पना को आधार दिया, वहीं सरदार पटेल ने 565 रियासतों का विलय कर भारत को अखंड गणराज्य बनाया। कार्यक्रम में मंजूर हसन, सुरेश नारायण सिंह यादव, जितेंद्र यादव बुलबुल, कुंदन भूषण, संतोष मद्धेशिया समेत अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सरदार पटेल की जयंती पर विभिन्न संस्थाओं में आयोजित हुए कार्यक्रम

रन फॉर यूनिटी में दौड़े पुलिस अफसर व स्कूली छात्र

तालबेहट/पूराबिरधा। देश के प्रथम गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर शुक्रवार को राष्ट्रीय एकता दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पुलिस विभाग सहित विभिन्न सरकारी दफ्तरों में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। तालबेहट में सीओ रक्षपाल सिंह एवं कोतवाल मनोज मिश्रा के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों, दरोगाओं और मर्दन सिंह इंटर कॉलेज के छात्रों ने नए बस स्टैंड से कोतवाली तक एकता दौड़ में भाग लिया। इस दौरान एक भारत, श्रेष्ठ भारत के नारों

से वातावरण गूंज उठा।वहीं पूराकलां थाना क्षेत्र में थाना प्रभारी निरीक्षक रमेश चंद्र मिश्रा, एसआई नरेंद्र सिंह, गोकर्ण सिंह व वीरेंद्र सिंह के साथ स्कूली छात्र-छात्राओं ने कस्बे में 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन किया। कार्यक्रम में एकता, अखंडता और भाईचारे का संदेश दिया गया। भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर सरदार पटेल सहकारी डेयरी फेडरेशन लिमिटेड द्वारा मास डेयरी चिलिंग सेंटर तालबेहट में जन्म जयंती समारोह व सहकारिता संवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों दूध उत्पादक, महिलाएं, युवा और सहकारी क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने सरदार पटेल के सहकारिता सिद्धांतों को याद करते हुए कहा कि सहकार ही समृद्धि का मार्ग है। रन फॉर यूनिटी का आयोजन कर 115 गाँवों के दुग्ध उत्पादकों ने एकता और सहकार का संदेश दिया।

भारत-अमेरिका में 10 साल का डिफेंस एग्रीमेंट: एडवांस ड्रोन और AI हथियारों पर रिसर्च में मदद मिलेगी, US नई टेक्नोलॉजी शेयर करेगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भारत और अमेरिका ने शुक्रवार को एक नया 10 साल का रक्षा (डिफेंस फ्रेमवर्क एग्रीमेंट) समझौता किया है। इसका मतलब है कि आने वाले 10 सालों तक दोनों देश मिलकर अपनी सेनाओं, रक्षा उद्योग और तकनीकी सहयोग को और मजबूत करेंगे। इसके तहत अमेरिका, भारत से एडवांस टेक्नोलॉजी शेयर करेगा, जिससे एडवांस ड्रोन और AI हथियारों पर जॉइंट रिसर्च में मदद मिलेगी। यह समझौता 31 अक्टूबर को कुआलालंपुर (मलेशिया) में हुआ, जहां दोनों देश ASEAN रक्षा मंत्रियों की बैठक (ADMM-Plus) में शामिल थे। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिका के रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने इस समझौते पर दस्तखत किए।

रिपोर्ट्स के मुताबिक इस समझौते से 4 बड़े फायदे होंगे।

सैन्य सहयोग बढ़ेगा- दोनों देशों की सेनाएं मिलकर ट्रेनिंग और सेनाभ्यास करेंगी।

जॉइंट प्रोडक्शन- यानी दोनों देश मिलकर हथियार, रक्षा उपकरण और नई तकनीक बनाएंगे।

टेक्नोलॉजी साझाकरण- अमेरिका भारत को अपनी कुछ एडवांस डिफेंस टेक्नोलॉजी शेयर करेगा।

सूचना और खुफिया जानकारी साझा- दोनों देशों की एजेंसियां एक-दूसरे से सुरक्षा जानकारियां साझा करेंगी।

अमेरिकी रक्षामंत्री बोले- हमारी साझेदारी मजबूत होगी

अमेरिका के रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने X पर लिखा- मैंने राजनाथ सिंह के साथ 10 साल का अमेरिका-भारत रक्षा समझौता साइन किया है। यह हमारी साझेदारी को और मजबूत करेगा। दोनों देशों के बीच समन्वय, जानकारी साझा करने और तकनीकी सहयोग का नया दौर शुरू हो रहा है।

समझौता साइन होने के बाद हेगसेथ ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को शुक्रिया कहा। उन्होंने बताया कि यह रिश्ता दुनिया के सबसे अहम रिश्तों में से एक है। दोनों देश एक-दूसरे पर भरोसा करते हैं और इंडो-पेसिफिक इलाके में सुरक्षा व खुशहाली चाहते हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा कि यह बैठक आसियान देशों और भारत के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करेगी। इससे भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी को भी बल मिलेगा।

दोनों देश ट्रेड डील पर बात कर रहे

यह समझौता ऐसे वक्त पर हुआ है, जब दोनों देश के अधिकारी ट्रेड डील पर बातचीत कर रहे हैं। अमेरिका ने रूसी तेल खरीदने की वजह से भारत पर 50% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया है।

कॉमर्स मंत्री पीयूष गोयल साफ कह चुके हैं कि भारत कोई व्यापार समझौता जल्दी-जल्दी में नहीं साइन करेगा। हम किसी की ऐसी शर्त नहीं मानेंगे जो हमारे व्यापार को रोकती हो।

उन्होंने कहा कि व्यापार सिर्फ टैरिफ का खेल नहीं है। यह विश्वास और लंबे रिश्ते का मामला है। फिर भी गोयल ने बताया कि दोनों देशों की टीमें मिलकर काम कर रही हैं। जल्द ही एक अच्छा और निष्पक्ष समझौता होने की उम्मीद है।

जयशंकर हाल में ने अमेरिकी विदेशमंत्री से बात की थी

कुछ दिन पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर भी कुआलालंपुर में थे। उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो से मुलाकात की। दोनों ने भारत-अमेरिका संबंधों और दुनिया के बड़े मुद्दों पर बात की। तब ईस्ट एशिया शिखर सम्मेलन में जयशंकर ने कहा था कि ऊर्जा व्यापार पर दबाव बढ़ रहा है, बाजार में गड़बड़ी आ रही है। सिद्धांत चुनिंदा तरीके से लागू किए जा रहे हैं।

जिलाधिकारी ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

बलरामपुर जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन, सीजेएम अनूप कुमार पांडे एवं पुलिस अधीक्षक विकास कुमार द्वारा जिला कारागार का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने बंदियों हेतु भोजन, चिकित्सा, स्वच्छता एवं सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया।उन्होंने बैरकों की साफ- सफाई, रसोईघर एवं चिकित्सालय की स्थिति की भी समीक्षा की। डीएम ने कहा कि बंदियों के पुनर्वास एवं सुधारात्मक गतिविधियों जैसे- व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं योगाभ्यास पर विशेष ध्यान दिया जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की जांच की तथा सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जेल अधीक्षक व अन्य संबंधित अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

कवच संरक्षण प्लान के तहत आम के बागों की वैज्ञानिक कटाई छँटाई के कार्य का शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। मेटा एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड ने अवध आम उत्पादक एवम बागवानी समिति, नबीपनाह, मलिहाबाद के साथ मिलकर "कवच संरक्षण प्लान" के तहत आम के बागों की वैज्ञानिक कटाई छँटाई के कार्य का शुभारंभ किया। यह आयोजन जीतबहादुर मार्केट, वाजिदनगर चौराहै पर हुआ।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ टी दामोदरन निदेशक केंद्रीय उपोषण बागवानी संस्थान मौजूद रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य मेटा एग्रो और अवध आम उत्पादक बागवानी समिति द्वारा आम के बागों की देखभाल और उत्पादकता में सुधार हेतु कवच संरक्षण प्लान सेवा का शुभारंभ था। मेटा एग्रो द्वारा कवच संरक्षण प्लान के तहत वैज्ञानिक तरीके से बागों की कटाई छँटाई व पोषण और कीट प्रबंधन किस प्रकार किया जायेगा। हर बाग का ऑर्चर्ड लॉग बुक,पेड़ों की जियो टैगिंग और डिजिटल मैपिंग के बारे में बताया गया। मेटा एग्रीटेक के संस्थापक मयंक सिंह और सुजीत सिंह ने इस पहल का नेतृत्व किया जिसका उद्देश्य किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ना और उनकी आय बढ़ाने में मदद करना है। डॉ टी दामोदरन ने कार्यक्रम में तकनीकी सहयोग प्रदान करने की बात कही। उन्होंने कवच संरक्षण प्लान ऑर्चर्ड लॉग का भी विमोचन किया।हाल ही में उद्यान विभाग ने अवध आम उत्पादक बागवानी समिति को 74 बागों की वैज्ञानिक कटाई छँटाई करने की अनुमति प्रदान की है।संचालन करते हुए उपेंद्र कुमार सिंह महासचिव अवध आम उत्पादक बागवानी समिति ने उपस्थित किसानों से कहा कि ज़्यादा से ज़्यादा किसान इस सेवा का लाभ उठायें और अपने बागों में अधिक से अधिक तकनीक और वैज्ञानिक प्रबंधन को अपना कर बाज़ार में वर्चस्व कायम करें। कार्यक्रम में डॉ एचएस सिंह प्रधान वैज्ञानिक,उपेंद्र कुमार सिंह, मयंक सिंह, सुजीत सिंह, प्रियंक यादव, उद्यान विभाग से दिलीप कुमार, वन विभाग से आशीष कुमार वर्मा, पूर्व प्रधान अशोक कुमार समेत अनेकों किसान मौजूद रहे।

साउथ दिल्ली पत्रकार संघ की दूसरी मासिक बैठक में कई विषयों पर हुई गंभीर चर्चा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
स्वतंत्र सिंह भुल्लर नई दिल्ली

नई दिल्ली। हर महीने के अंतिम सप्ताह में साउथ दिल्ली पत्रकार संघ की बैठक रखी जाती है जिसके तहत पहली कार्यकारणी गठित के बाद बैठक सितम्बर में खानपुर एक्सटेंशन में की गई थी और आज दूसरी बैठक साउथ दिल्ली पत्रकार संघ की संगम विहार में रखी गई।आपको बता दे संगठन अगस्त में बना था ओर जब से निरंतर अध्यक्ष राजनारायण मिश्रा के नेतृत्व में कार्य कर रहा है और पत्रकारों के हितों के लिए उनके मान सम्मान एव दुख सुख में उनके साथ खड़ा हुआ है।दूसरी बैठक में पत्रकार साथियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया और जो नहीं आए उन्होंने संदेश के माध्यम से जानकारी अपनी संगठन में दर्ज कराई। बैठक का उद्देश्य था कि हर महीने के अंतिम सप्ताह में सभी पत्रकार साथियों के साथ विचार विमर्श एवं चर्चाओं के माध्यम से संगठन की कार्य कार्य शैली एवं संगठन को कैसे मजबूत करे ,हमलोगों को क्या क्या योजनाओं के माध्यम से कार्य करना चाहिए और जिन उद्देश्यों को लेकर संगठन बना था उनपर हम कैसे सफतापूर्वक कार्य कर सके साथ ही बैठक के माध्यम से सभी पत्रकार साथियों का आपसी तालमेल भी बना रखे।

यही सोच के साथ दूसरी बैठक भी सफल रही ओर सभी आए हुए पत्रकार साथियों ने अपने अपने सुझाव के साथ कई मुद्दों पर चर्चाएं भी की जो सभी सारात्मक रही ओर एकजुट हो कर सभी का उद्देश्य यही रहा कि हमें साउथ दिल्ली पत्रकार संघ को परिवार की तरह चलना है और एकता का परिचय देते हुए सभी साथियों को जोड़कर रखना है।

आपको बता दे संगठन के रजिस्ट्रेशन की प्रकिया भी चल रही है जल्द ही हमें रजिस्ट्रेशन नंबर मिल जाएगा और फिर जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से संगठन साउथ दिल्ली में कार्य करेगा और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी निभाएगा। अंत में अध्यक्ष राजनारायण मिश्रा ने सभी पत्रकार साथियों का धन्यवाद किया जो नए जुड़े है उनका भी स्वागत किया ओर विश्वास दिलाया कि संगठन जिन उद्देश्यों को लेकर बना हुआ है हम ओर हमारी पूरी टीम उसके लिए बचनबद्ध है। बैठक में पत्रकार साथियों की उपस्थिति मौजूद रही जिनमें शरद कुमार, दीप सिलोड़ी, रियायत अली, स्वतंत्र सिंह भुल्लर, अमर कुमार, रविन्द्र कुमार,रशीद सैफी, जितेंद्र, समीम आलम, अब्दुल वाजिद सहित पत्रकार साथी उपस्थित थे।

अहिरोली में राष्ट्रीय एकता दिवस पर RUN FOR UNITY का आयोजन, अधिकारियों-कर्मचारियों व बच्चों ने लिया उत्साहपूर्वक हिस्सा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अंबेडकरनगर। थाना अहिरोली क्षेत्र में आज दिनांक 31 अक्टूबर 2025 को स्वतंत्र भारत के प्रमुख शिल्पकार और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस के तहत RUN FOR UNITY कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ थानाध्यक्ष अभिषेक त्रिपाठी एवं खंड विकास अधिकारी (केटहरी) श्री हौसिला यादव के नेतृत्व में किया गया। इस दौड़ में थाना अहिरोली में नियुक्त समस्त पुलिस अधिकारी/कर्मचारी, पुलिस लाइन से आए रिक्रूट आरक्षी, खंड विकास कार्यालय के कर्मचारी तथा ब्लूमिंग चिल्ड्रेन स्कूल यादवनगर गढ़पुर के छात्र-छात्राएं एवं क्षेत्र के अन्य सम्मानित नागरिक शामिल हुए।

RUN FOR UNITY का प्रारंभ थाना अहिरोली परिसर से हुआ जो लगभग 1 किलोमीटर दूरी तय कर पटेल नगर पेट्रोल पंप तक गया और पुनः थाना गेट पर आकर समाप्त हुआ। दौड़ के दौरान प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय एकता, सद्भाव और अखंडता बनाए रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम के समापन पर अधिकारियों द्वारा सभी प्रतिभागियों को उत्साहवर्धन संदेश दिया गया और सरदार पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान का स्मरण करते हुए उनके मार्ग पर चलने की अपील की गई। कार्यक्रम का समापन सौहार्दपूर्ण वातावरण में हर्षोल्लास के साथ हुआ।

रामपुर कारखाना विधायक की पहल पर बैकुंठपुर-नूनखार सड़क को मिली स्वीकृति

देवरिया, 31 अक्तूबर। रामपुर कारखाना क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित बैकुंठपुर-नूनखार (दुल्हू) सड़क के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण को सरकार से स्वीकृति मिल गई है। यह सड़क 06.78 करोड़ रुपये की लागत से बनाई जाएगी। विधायक सुरेन्द्र चौरसिया ने कहा कि इस निर्माण से क्षेत्रवासियों को सुगम यातायात की सुविधा मिलेगी और विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने सड़क स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिले में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों के संचालन हेतु शासकीय सेवकों को दायित्व सौंपे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल। जिला स्तरीय कार्यक्रम राजेन्द्र टॉकीज शहडोल के हाल में 01 नवम्बर को प्रातः 10:30 बजे से प्रारंभ होगा। कार्यक्रम की व्यवस्था हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति को कार्यक्रम का प्रभारी अधिकारी तथा जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री विवेक पाण्डेय को समन्वय अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिला मुख्यालय सहित तहसील मुख्यालयों में भी स्थापना दिवस समारोह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिसके नोडल अधिकारी संबंधित एसडीएम तथा सहायक नोडल अधिकारी संबंधित जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को बनाया गया है। जिले में चिन्हांकित स्थलों पर मध्य प्रदेश स्थापना दिवस जिला स्तरीय समारोह एवं विकासखण्ड स्तरीय समारोह का आयोजन किया जाना है।

इन समारोहों में जनप्रतिनिधि, क्षेत्रीय विधायक, गणमान्य नागरिक, सभी एनजीओ, सामाजिक कार्यकर्ताओं को आमंत्रित करने, मध्यप्रदेश शासन की विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को लाभ वितरण करने, समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता, एनजीओ, शिक्षा, स्वास्थ्य, सांस्कृति क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों का सम्मान किया जाएगा। इसके साथ ही सांस्कृति कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा तथा महाविद्यालय स्तर पर युवा वैज्ञानिक सम्मेलन, सामान्य ज्ञान, निबंध लेखन एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताओं के आयोजन के निर्देश दिए गए हैं। जिसमें शहडोल जिले के विरासत, कला एवं संस्कृति तथा जिले में पर्यटन के विकास की संभावनाओं पर आधारित प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इस अवसर पर जिले में कार्यरत स्व सहायता समूहों में से उत्कृष्ट कार्य करने वाले समूहों को सम्मानित किया जाएगा। जिला स्तर पर 01 नवम्बर 2025 को प्रातः 10: 30 बजे से राजेन्द्र टॉकीज हाल शहडोल में स्थापना दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

जिसके नोडल अधिकारी श्रीमती अमृता गर्ग अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तथा अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री मुद्रिका सिंह होंगें, सहायक नोडल अधिकारी श्री अक्षत बुन्देला परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण को बनाया गया है। स्थापना दिवस के अवसर पर 01 नवम्बर 2025 को पंडित शम्भूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय में युवा वैज्ञानिक सम्मेलन सामान्य ज्ञान, निबंध लेखन एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। जिसके नोडल अधिकारी डॉ आशीष तिवारी रजिस्टार पंडिल शम्भूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय होंगे।

02 नवम्बर को जैतपुर स्थित एकलव्य विद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसके नोडल अधिकारी श्रीमती अमृता गर्ग अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तथा सहायक नोडल अधिकारी श्री राजीव लघाटे मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बुढ़ार को बनाया गया है। इसी तरह 02 नवम्बर को जनपद मुख्यालय ब्यौहारी में स्थापना दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसके नोडल अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री भागीरथ लहरे तथा सहायक नोडल अधिकारी सीईओ जनपद पंचायत श्रीमती कल्पना यादव होंगी।

एस डीएम की नाराज़गी तहसील परिसर में घुम रहे हैं सौदागर एक एक प्रकरण अब बताऊंगी तहसील को लोगों ने अड्डा बना दिया है- एसडीएम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोंडा कर्नलगंज। तहसील प्रशासन और वकीलों के बीच विरोध प्रदर्शन बुधवार से लगातार चल रहा है। यहां वकीलों की तनातनी अधिकांश उपजिलाधिकारियों से रही है। तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्यामधर शुक्ला ने अपने कुछ साथियों के साथ शुक्रवार को तीसरे दिन भी न्यायिक कार्य से विरत रहकर तहसील परिसर में विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी की। सूत्रों के मुताबिक एसोसिएशन अध्यक्ष की ओर से शनिवार को वकील सम्पूर्ण समाधान दिवस में सक्षम अधिकारी को ज्ञापन सौंपेंगे और आगे क्रमिक अनशन शुरू करेंगे। आए दिन नारेबाजी और हंगामा से तहसील में आने वाले फरियादी भी परेशान होने लगे हैं, उन्हें समस्याओं का समाधान कराए बिना ही वापस लौटना पड़ता है। हालांकि, नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन के बाद तहसील प्रशासन भी विरोध का जवाब देने के लिए अब कमर कसना शुरू कर दिया है। एसडीएम नेहा मिश्रा ने भी कहा है कि एक एक प्रकरण बताऊंगी तहसील को आप लोगों ने अड्डा बना दिया है। एसडीएम नेहा मिश्रा का कहना है कि सिर्फ अधिकारियों को दबाव में लेने के लिए प्रदर्शन किया जा रहा है। लोगों का कहना है कि तहसील परिसर में शराब, गांजा और ताश की महफिल जुटती है। इन अवैध गतिविधियों के खुलासे के डर से कुछ दबंग वकील प्रशासनिक और सामाजिक कार्यकर्ताओं पर दबाव बनाने के लिए संगठन बनाकर घेराबंदी कर रहे हैं हालांकि की इस बात का हामरी टीम पुष्टि नहीं करती है सूत्रों के हावले की खबर है जिससे, उनके काले कारनामों पर पर्दा डाला जा सके। सूत्र बताते हैं कि इस स्थिति पर पहले भी जिला प्रशासन ने नाराजगी जताई थी। यहां तक कि डीएम ने भी हालात सुधारने के निर्देश दिए थे, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। नतीजा यह है कि दबंगों और दलालों का वर्चस्व और मजबूत होता जा रहा है। विश्वसनीय सूत्रों का दावा है कि तहसील में चल रहे इन अवैध कार्यों में कुछ वकीलों की मिलीभगत और बराबर की हिस्सेदारी है। उनके संरक्षण में ही शराब पार्टी, जुआ और अवैध वसूली का सिलसिला जारी है। फरियादियों का कहना है कि यदि समय-समय पर तहसील का सघन औचक निरीक्षण हो, तो कई बड़े अवैध कारोबारों का खुलासा हो सकता है। एक पीड़ित व्यक्ति ने एक और खुलासा किया है अगर बैनामा कोई व्यक्ति लेता है तो उससे दुबारा पैसा कमाने का जरिया कैसे बने वाकिल उस बैनामा कर्ता व्यक्ति से मिलकर आपत्ति लगवा देते हैं जिससे बैनामा लेने वाला परेशान हो और दुबारा वाकिल को खर्चा दे फरियादी को जान बुझकर परेशान करते हैं अधिवक्ता अगर प्रशासन डारेक्टर फरियादी से मिले तो आधे से ज्यादा मुकदमा वे फर्जी है फैसला हो जाएगा फरियादी को राहत मिलेगी।

सिद्धार्थनगर: परिवारिक विवाद के बाद पत्नी ने पति को ज्वलनशील पदार्थ डालकर जलाया, हालत गंभीर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के डुमरियागंज क्षेत्र के कूड़ी गांव में बुधवार की रात पूनम (50) ने पति राम संवारे (55) को कमरे में बुलाया और उस पर ज्वलनशील पदार्थ उसके उपर डालकर आग लगा दी। आग का गोला बना पति चीखते हुए बाहर आया। शोर सुनकर पहुंचे आसपास के लोगों ने किसी तरह आग बुझाई। गंभीर रूप से झुलसे राम संवारे को गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि संबंधों के शक में हुए विवाद में पत्नी ने पति पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी। कूड़ी गांव निवासी राम संवारे (55) और पत्नी पूनम (50) के बीच आए दिन विवाद और मारपीट होता था। गांव के लोगों ने बताया कि बुधवार की देर रात दोनों के बीच विवाद हुआ था। कुछ देर बाद पूनम ने राम संवारे को कमरे में बुलाया। जैसे ही वह कमरे में पहुंचा, पूनम ने उस पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी और दरवाजा बंद कर दिया। किसी तरह राम संवारे कमरे से निकलकर चीखते-चिल्लाते बाहर भागा।

राम संवारे की चिल्लाने की आवाज सुनकर पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह आग बुझाई। हालांकि, तब तक राम संवारे बुरी तरह से झुलस गया था। गांव में चर्चा रही कि संबंधों के शक पति-पत्नी में आए दिन विवाद होता था। ग्रामीणों ने बताया कि डुमरियागंज थाना क्षेत्र के कूड़ी गांव निवासी राम संवारे को जलाकर मारने की कोशिश करने वाली पूनम उसकी तीसरी पत्नी है। पहली पत्नी से एक बेटा है जो मुंबई में रहकर रोजी-रोटी कमाता है। पहली पत्नी की मौत के बाद राम संवारे ने दूसरी शादी की थी ,मगर दूसरी पत्नी कुछ ही दिन बाद घर छोड़ कर चली गई। राम संवारे ने तीसरी शादी पहले से विवाहित पूनम (50) से की। पूनम के तीन बेटे थे, जिनमें एक की कुछ माह पहले मौत हो चुकी है। वारदात के समय पूनम और राम संवारे ही घर में थे। एक बेटा बाहर तो दूसरा ससुराल गया हुआ था, जो सूचना पर सीएचसी बेंवा पंहुचा और राम संवारे को इलाज के लिए गोरखपुर ले गया। इस संबध में प्रभारी निरीक्षक उमेश धर द्विवेदी ने बताया कि इस मामले में अभी कोई तहरीर नहीं मिली है लेकिन पुलिस ने घटना को स्वतः संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

महाविद्यालय में मनाई गई सरदार पटेल की जयंती एवं इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि

महरौनी। स्व. रविंद्रानंद बडौनिया महाविद्यालय महरौनी में शुक्रवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती एवं देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रबंधक दुष्यंत बडौनिया एवं प्राचार्य डॉ. के.के. सिंह द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व दोनों महान विभूतियों के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। प्रबंधक दुष्यंत बडौनिया ने कहा कि सरदार पटेल ने 565 रियासतों का विलय कर भारत को एक सूत्र में बांधा और देश की एकता के प्रतीक बने। राष्ट्र उनके योगदान का सदैव ऋणी रहेगा। वहीं प्राचार्य डॉ. के.के. सिंह ने कहा कि इंदिरा गांधी भारतीय राजनीति की दृढ़ और प्रभावशाली नेता थीं, जिन्होंने अपने साहसिक निर्णयों से भारत को विश्व पटल पर प्रतिष्ठा दिलाई। विभागाध्यक्ष हरिहर मोहन तिवारी ने सरदार पटेल को साहस, एकता और देशभक्ति का प्रेरणास्रोत बताया, जबकि प्रवक्ता लखन लाल त्रिपाठी ने दोनों महान विभूतियों के जीवन वृत्त पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन हरिहर मोहन तिवारी ने किया।

धुबरी महायोगी योगी गुरु गोरक्ष नाथ की मूर्ति स्थापन

● मांगलिक रीति रिवाज के साथ केबिट मंत्री रंजीत कुमार दास के करकमलों से किया उद्घाटन।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी-31 अक्टूबर। असम धुबरी जिले के बिलासीपारा सम जिले के पुराने लौपारा गाँव में योगी गुरु महायोगी गुरु गोरक्ष नाथ की मूर्ति स्थापित की गई। कोमतापुर स्वायत्त परिषद के मुख कार्यकारी परिषद शजीवेश रॉय द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए आवंटित आठ लाख धनराशि से निर्मित योगी गुरु गोरक्ष नाथ की प्रतिमा को जिले की नाथ समुदाय के लिए एक बड़ी प्राप्ति है। सुबह से जिले की विभिन्न प्रांत से एकत्रित तीन हजारों से अधिक नाथ समुदाय के लोगों की उपस्थिति में सामूहिक यज्ञ किया गया। इसके बाद प्रतिमा को उद्घाटन के लिए आमंत्रित असम सरकार के कैबिनेट मंत्री रंजीत कुमार दास और कोमतापुर स्वायत्त परिषद के मुख कार्यकारी परिषद शजीवेश रॉय को स्वागत कर लाया गया। मंत्री ने मंदिर के उद्घाटन कर, गुरु गोरख नाथ को पूजा अर्चना की इसके बाद एक बैठक में मंत्री ने नाथ योगी लोगों के साथ नाथ योगी छात्रा संघ का तारीफ करते हुए कहा कि अब असम में नाथ योगी समुदाय उन्नति के रास्ते में है। उन्होंने असम प्रदेश नाथ योगी सम्मेलन के कार्यालय के फ़र्निचर खरीदारी के लिए कोमतापुर स्वायत्त परिषद के मुख कार्यकारी परिषद के तरफ़ से 1 लाख रुपए का चेक भी प्रदान किया।